सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 296, नई दिल्ली । शनिवार, 04 जनवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

03 चुन-चुन कर "आप" समर्थकों के वोट कटवा रही भाजपा - संजय सिंह
06 सूरज के खुलते उलझे रहस्य
08 पन्नू ने एक और धमकी भरा ईमेल भेजा, चेतावनी दी

दिल्ली परिवहन विभाग वीआईयू बुराड़ी में 4 जनवरी से आटो टैक्सी चालकों के लिए शुरू कर रहा है जागरूकता अभियान

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव करीब है और सत्ता पाने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा लुभावने वायदे भी सामने आ रहे हैं। आम आदमी पार्टी की तर्ज पर भाजपा ने भी दिल्ली में कार्यरत मजदूरों के साथ दिल्ली के आटो - टैक्सी मालिकों को अपनी तरफ करने के लिए डीडीए द्वारा निर्मित ईडब्लूएस और एलआईजी फ्लैट पर 25% छूट एवम् सस्ते दर पर लोन सुविधा प्रदान करने का बड़ा लुभावनी प्रयास किया है। इस डीडीए हाउसिंग स्कीम को दिल्ली के उपराज्यपाल जो डीडीए के चेयरमैन है द्वारा भी सहमति मिल चुकी हैं।

इस डीडीए हाउसिंग स्कीम के लिए दिल्ली परिवहन विभाग वीआईयू बुराड़ी में 4 जनवरी से आटो टैक्सी चालकों के लिए जागरूकता अभियान शुरू कर रहा है

इस स्कीम को भाजपा द्वारा लुभावनी घोषणा के रूप में देखा जा रहा है और इस घोषणा को दिल्ली के 150000 (एक लाख 50 हजार) आटो एवं टैक्सी मालिकों तक पहुंचाने का श्रेय दिल्ली के परिवहन आयुक्त लेना चाहते है और इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए जागरूकता अभियान परिवहन विभाग के खर्चे पर चलवाया जा रहा है। इसके लिए स्वयं परिवहन आयुक्त द्वारा नोटिस जारी किया गया है और दिल्ली में आज की तारीख़ में चलने वाले सभी कार्यालयों के मुख्य द्वार के साथ नोटिस बोर्ड पर लगवाने के दिशा निर्देश जारी किए हैं। आपकी जानकारी के लिए कापी उपलब्ध

अब देखना यह भी होगा की क्या इसी तर्ज पर आम आदमी पार्टी द्वारा जारी लुभावनी वायदों के लिए भी परिवहन आयुक्त जागरूकता अभियान चलवाएंगे या नहीं।

अब जानना यह भी होगा की क्या जनहित में चालित सरकारी विभाग चुनावी दौर में किसी राजनीतिक दल को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से खुल कर सामने आ कर मददगार बन कर एक नया उदाहरण पेश करेगा। परिवहन आयुक्त पहले से ही राजस्व में इजाफा करवाने में तत्पर हैं और यह बात जग विदित है और शायद इसीलिए उनके गैर कानूनी और जनता के अहित से भरे आदेशों पर भी शिकायतों के बाद भी मुख्य सचिव और उपराज्यपाल आंखे और कान बंद करके बैठे हुए हैं।

अब जानिए क्या हैं इस घोषणा में

दिल्ली में मज़दूरों और ऑटो ड्राइवर्स के लिए सस्ते घर, डीडीए की नई हाउसिंग स्कीम का एलान :- वंचित समूह के लोगों को नरेला, सिरसपुर और लोकनायक पुरम में फ्लैटों पर 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी. वहीं, वसंत कुंज, द्वारका और रोहिणी में 110 फ्लैट उपलब्ध कराए जाएंगे.

दिल्ली में विधानसभा चुनाव 2025 से पहले डीडीए ने जिस घोषणा का एलान किया है उसे बीजेपी के चुनावी वादे के तौर पर देखा जा रहा है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने 'वंचित समूहों' के लिए आवास योजनाओं की घोषणा की है और दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना, जो डीडीए के चेयरमैन भी हैं द्वारा मंजूरी दे दी गई है। इस का मकसद एस सी/एस टी वर्ग के लोगों समेत आर्थिक रूप से 'वंचित समूहों' को फ़ायदा पहुंचाना बताया गया है। कंस्ट्रक्शन मजदूर, ऑटो-रिक्शा और कैब ड्राइवर्स, महिलाएं, विधवाएं, विकलांग, पूर्व सैनिक और वीरता पुरस्कार हासिल करने वाले इस योजना का फायदा उठा सकेंगे।

चुनाव से पहले जहां एक तरफ़ आम आदमी पार्टी द्वारा कई योजनाओं की घोषणा हो चुकी है वहीं बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की इस योजना को एलजी से मंजूरी मिल चुकी है। इस घोषणा के मुताबिक़, 'वंचित समूह' के लोगों को नरेला, सिरसपुर और लोकनायक पुरम में फ्लैटों पर 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।वहीं डीडीए को विशेष आवास योजना 2025 को भी मंजूरी मिली है इसके तहत वसंत कुंज, द्वारका और रोहिणी में 110 फ्लैट उपलब्ध कराए जाएंगे। वसंत कुंज में फ्लैट ई-नीलामी के ज़रिए बेचे जाएंगे और बाक़ी जगहों (नरेला, सिरसपुर और लोकनायकपुरम) में 'पहले आओ पहले पाओ' की नीति लागू होगी। डीडीए के बयान में कहा गया है कि योजनाएं 31 मार्च, 2025 तक सीमित अवधि के लिए उपलब्ध हैं। योजना के तहत नरेला में लगभग 700 ईडब्लूएस फ्लैट भी 25 प्रतिशत छूट के साथ उपलब्ध कराए जाएंगे। **इन योजनाओं का लाभ ख़ासकर उन मजदूरों को मिलेगा, जिनका 'दिल्ली भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड' के अंतर्गत रजिस्ट्रेशन है और दिल्ली परिवहन विभाग में 31 दिसंबर 2024 में जिसके नाम पर आटो/ टैक्सी का परमिट जारी हुआ था।** आदेश में ये भी बताया गया है कि डीडीए सस्ता घर आवास योजना 2024 और डीडीए मध्यम वर्गीय आवास योजना 2024 के तहत भी इन सभी को छूट दी जाएगी। इसके तहत लाभार्थी ग्रुप्स के लिए उपलब्ध फ्लैटों में से 25 प्रतिशत फ्लैट आरक्षित किए जाएंगे। *इन योजनाओं को ध्यान में रखते हुए डीडीए ने लोन मुहैया कराने के लिए वित्तीय संस्थाओं से साझेदारी की तैयारी भी की है जिससे इन योजनाओं का फायदा उठाने वालों को जल्द ही लोन मिल सके।

दिल्ली के निवासियों विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और गरीब लोगों की आवास जरूरत को ध्यान में रखते हुए उपराज्यपाल द्वारा यह निर्णय लिया गया है और इसमें तीन आवासीय योजनाओं को लागू करने की मंजूरी दी।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
परिवहन विभाग, ऑटो रिक्शा और टैक्सी इकाई

विषय: एआरयू/वीआईयू बुराड़ी में ऑटो रिक्शा और टैक्सी परमिट धारकों के बीच जागरूकता अभियान

लोकनायकपुरम, सिरसपुर और नरेला में ईडब्ल्यूएस और एलआईजी फ्लैटों में उन ऑटो रिक्शा चालकों और टैक्सी चालकों को 25% की छूट दी जाएगी, जो परिवहन विभाग, जीएनसीटीडी से परमिट धारक हैं और जिनके नाम पर 31.12.2024 तक वाहन पंजीकृत हैं।

इस योजना का लाभ उठाने के लिए एआरयू/वीआईयू बुराड़ी में ऑटो रिक्शा चालकों और टैक्सी चालकों के बीच जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

स्थान: बे नंबर 1, उप आयुक्त/जिला परिवहन अधिकारी कार्यालय **वीआईयू** बुराड़ी के सामने

दिनांक: 4 जनवरी, 2025 से आगे

आदेशनुसार
अपर मुख्य सचिव
सह-आयुक्त परिवहन

और आसान होगा दिल्ली से मेरठ का सफर, समय आधा, किराया बस के बराबर

दिल्ली से मेरठ के बीच सफर करने वाले मुसाफिरों के लिए खुशखबरी है। गाजियाबाद के बाद अब नमो भारत ट्रेन की सीटी दिल्ली में भी बजने को तैयार है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली से मेरठ के बीच सफर करने वाले मुसाफिरों के लिए खुशखबरी है। गाजियाबाद के बाद अब नमो भारत ट्रेन की सीटी दिल्ली में भी बजने को तैयार है। ट्रेन साहिबाबाद से आनंद विहार होकर न्यू अशोक नगर स्टेशन तक पहुंचेगी। ऐसे में दिल्ली से मेरठ तक करीब 40 मिनट में पहुंचा जा सकेगा। अभी वाया दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से सफर में करीब सवा घंटे का वक्त लगता है। पांच जनवरी को जापानी पार्क की रैली के जरिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका शुभारंभ करेंगे।

दिल्ली से एनसीआर के शहरों की आवाजाही बेहतर करने के लिए केंद्र सरकार रैपिड रेल प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। इसमें दिल्ली से मेरठ को जोड़ने वाले पहले प्रोजेक्ट पर अभी साहिबाबाद से मेरठ के बीच करीब 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से नमो ट्रेन चल रही है। इस कॉरिडोर पर दिल्ली में न्यू अशोक नगर स्टेशन तक ट्रैक तैयार है। यहां ट्रायल रन पूरा हो गया है।

रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने भी ट्रेन चलाने के लिए इजाजत दे रखी है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) अधिकारियों के मुताबिक, न्यू अशोक नगर तक ट्रेन चलाने की तैयारी पूरी है। इसके संचालन के बाद मेरठ साउथ से साहिबाबाद स्टेशन के बीच दौड़ रही नमो भारत दिल्ली तक पहुंच जाएगी।

समय आधा, किराया बस के बराबर

अगर आप मेरठ एक्सप्रेसवे से सफर करते हैं तो सराय काले खां से मेरठ पहुंचने में करीब सवा घंटे का समय लगता है। ट्रैफिक बाधित होने पर समय बढ़ भी सकता है। जबकि नमो भारत आपको बमुश्किल 40 मिनट में न्यू अशोक नगर से मेरठ तक पहुंचा देगी।

दिलचस्प यह कि किराया बस के बराबर होगा। कार से सफर करने पर इसमें बढ़ोतरी हो जाती है। ट्रेन से बिना अतिरिक्त पैसे दिए मुसाफिर मेरठ तक ज्यादा सहूलियत से सफर कर सकेंगे। हालांकि, छोटी दूरी से नमो भारत से सफर करना महंगा पड़ेगा। लंबी दूरी की आवाजाही सस्ती पड़ेगी।

जुड़ेंगे दो स्टेशन

फिलहाल, नमो भारत मेरठ साउथ से साहिबाबाद स्टेशन के बीच चल रही है। इसकी दूरी करीब 42 किमी है। वहीं, साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर की 12 किमी की दूरी में आनंद विहार स्टेशन भी पड़ेगा। दो नए स्टेशनों के जुड़ने से नमो भारत एक तरफ से 54 किमी का सफर तय करेगी। वहीं, 9 की जगह स्टेशन की संख्या 11 हो जाएगी।

नोएडा व दक्षिणी हरियाणा तक का सफर होगा बेहतर

आरआरटीएस कॉरिडोर से अभी गाजियाबाद नया बस अड्डा पर दिल्ली मेट्रो की रेड लाइन कनेक्ट हो रही है। दिल्ली में विस्तार होने से इस कॉरिडोर से दो लाइनें और भी जुड़ रही हैं। आनंद विहार स्टेशन पर मेट्रो की वैशाली से द्वारका तक जाने वाली ब्लू लाइन व मजलिस पार्क से शिव विहार के बीच चलने वाली पिंक लाइन जुड़ जाएगी।

नोएडा वालों के लिए गुड न्यूज, अब हर 10 मिनट में मिलेंगी ई-बसें; जानें रूट और टाइमिंग

नोएडा में और इसके आसपास रहने वाले लोगों के लिए राहत की खबर है। जल्द ही 500 इलेक्ट्रिक बसें चलेंगी। ये बसें 25 रूट पर 10 मिनट के अंतराल पर चलेंगी। बसों का संचालन सकल लागत अनुबंध (जीसीसी) मोड पर होगा। इनमें से 300 बसें नोएडा 100 बसें ग्रेटर नोएडा और 100 बसें यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में संचालित होंगी।

नोएडा। जिले में सिटी बस के रूप में 500 ई-बसें चलेंगी। ये बसें 25 रूट पर 10 मिनट के अंतराल पर चलेंगी। बसों का संचालन सकल लागत अनुबंध (जीसीसी) मोड पर होगा। इनमें 300 ई-बसें नोएडा, 100 ई-बसें ग्रेटर नोएडा और 100 ई-बसें यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में संचालित होंगी।

वायबिलिटी गैप फंड (वीजीएफ) के रूप में 224 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष तीनों प्राधिकरण को खर्च करना होगा। नोएडा के खाते में प्रतिवर्ष 107 करोड़ रुपये का भार आएगा। नोएडा प्राधिकरण सीईओ डा. लोकेश एम ने बताया कि जीसीसी मोड पर संचालन के दौरान संभावित आपरेटिंग कास्ट 72.65 रुपये प्रति किलोमीटर होगी।

हर बस को रोज 200 किमी का करना होगा भुगतान

हर बस को रोज 200 किमी का भुगतान होगा। सालाना 72 हजार किमी के हिसाब से हर बस का भुगतान होगा। इसमें 13 रूट पर नोएडा, नौ रूट ग्रेटर नोएडा व दो रूट पर यमुना क्षेत्र में ई-बसें को चलाना तय है। इन ई-बसों का संचालन सुबह 6.30 से रात 11 बजे तक होगा।

इन सभी 500 ई-बसों की खरीदारी एक ही फेज में होगी। इसके लिए रिक्वेस्ट फार प्रपोजल (आरएफपी) जारी होगी। नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यीडा के बीच स्पेशल पर्पज व्हिकल (एसपीवी) का गठन 48 प्रतिशत, 26 प्रतिशत व 26 प्रतिशत के इक्विटी योगदान के साथ होगा।

इन्फ्रास्ट्रक्चर का काम करेगा नोएडा प्राधिकरण

इन ई-बसों का संचालन शुरुआत में सेक्टर-82 व सेक्टर-91 में मौजूद बस टर्मिनल से होगा। इन्फ्रास्ट्रक्चर का काम नोएडा प्राधिकरण करेगा। ग्रेटर नोएडा व यमुना प्राधिकरण 20-20 करोड़ खर्च कर डिपो बनाएंगे।

यहां संचालित सभी बस 12 मीटर व नौ मीटर लंबी होंगी। अनुबंधित कंपनी का कांट्रैक्ट 12 वर्ष का होगा और 675 करोड़ रुपये उसे खर्च करने होंगे। इसमें ई-बस की खरीद, फास्ट चार्जिंग प्लांट, स्टालेशन समेत अन्य टूल्स शामिल होंगे।

दिल्ली-एनसीआर में फिर लगी ग्रैप-3 की पाबंदियां, इन नियमों का करना होगा पालन

संजय बाटला

बढ़ते प्रदूषण के चलते दिल्ली-एनसीआर में फिर से ग्रैप-3 की पाबंदियां लागू कर दी गई हैं। कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट ने यह फैसला लिया है। ग्रेप-3 के तहत कई तरह की पाबंदियां लगाई गई हैं जिनमें निर्माण कार्यों पर रोक डीजल जनरेटर पर प्रतिबंध और वाहनों की आवाजाही पर नियंत्रण शामिल हैं। इसमें इलेक्ट्रिक वाहनों सीएनजी वाहनों को राहत दी गई है।

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बढ़ती ठंड के बीच प्रदूषण का स्तर भी बढ़ रहा है। इस कारण से कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) ने शुक्रवार को दिल्ली और एनसीआर के इलाके में ग्रैप तीन की पाबंदिया लागू करने का फैसला किया है। बता दें, पहले प्रदूषण के स्तर में कमी आने के कारण इसे हटा लिया गया था। इसे तत्काल प्रभाव से दिल्ली और आसपास के इलाकों में लागू कर दिया गया है।

बता दें, दिल्ली के वायु प्रदूषण के स्तर में वृद्धि देखी गई है। बीते 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शाम 4 बजे 371 रहा, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज की गई। सुबह 9 बजे AQI 351 थी। सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता 100 प्रतिशत दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के पूर्वानुमानों के अनुसार, प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों के कारण वायु गुणवत्ता की स्थिति और खराब होने की आशंका है।

GRAP-3 के तहत ये प्रतिबंध होंगे लागू

GRAP-3 में दिव्यांग लोगों को दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर जिले में व्यक्तिगत जरूरत के लिए बीएस तीन पेट्रोल इंजन और बीएस चार डीजल इंजन के हल्के वाहन (कार) के इस्तेमाल की छूट रहेगी।

दिल्ली में माल ढुलाई के लिए बीएस चार के डीजल इंजन वाले एमजीवी (मीडियम गूड्स व्हीकल) पर प्रतिबंध रहेगा। इस प्रतिबंध से सिर्फ आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को छूट रहेगी।

दिल्ली से बाहर पंजीकृत बीएस चार और उससे कम मानक के डीजल इंजन वाहनों को ग्रैप तीन के दौरान राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश वर्जित रहेगा। पहले ये प्रावधान चौथे चरण में शामिल थे।

ग्रैप 3 दिल्ली में बीएस-IV या पुराने मानकों वाले गैर-आवश्यक डीजल-संचालित मध्यम माल वाहनों पर भी प्रतिबंध लगता है।

ग्रैप तीन में दिल्ली एनसीआर के स्कूल पांचवीं कक्षा तक की पढ़ाई हाइब्रिड मोड में करा सकते हैं। अभिभावक अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन या ऑफलाइन क्लास का विकल्प चयन कर सकते हैं।

ग्रैप तीन में दिल्ली सरकार और एनसीआर से संबंधित राज्य सरकारें सरकारी विभागों और सिविक एजेंसियों के कार्यालय के समय में बदलाव कर सकती हैं।

ग्रैप 3 में शामिल नए प्रावधानों का पालन संबंधित एजेंसियों को सुनिश्चित करना होगा।

रति का दु:ख देखकर भगवान शंकर को उन पर दया आ गई

अब कामदेव ने अपना अंतिम व सबसे उत्तम अस्त्र का प्रयोग करना चाहा। उसने आम की एक सुंदर डाली को देखा, व मन में क्रोध भरकर उसपर चढ़ गया। उसने पुष्प धनुष पर अपने पाँचों बाण चढ़ाये, और अत्यंत क्रोध से अपने लक्ष्य की और कानों तक तान लिया।

क्योंकि कामदेव ने अपनी मृत्यु निश्चित जानते हुए भी यह ठान लिया था, कि मैं महादेव की समाधि भंग करके ही रहूंगा, तो अब उसने सहायता के लिए सुंदर ऋतुराज बसंत को प्रकट किया। फूले हुए नए-नए वृक्षों की कतारें सुशोभित हो गईं। वन उपवन, बावली-तालाब और सब दिशाओं के विभाग परम सुंदर हो गए। प्रत्येक दिशा में मानों प्रेम उमड़ रहा हो, जिसे देखकर मरे मनों में भी कामदेव जाग उठा। सुंदर ऋतुराज बसंत क्या खिली, समस्त ओर मनोहर दृष्यों ने अपना जाल बुन दिया। मरे हुए मनों में भी काम जगने लगा। वन की सुंदरता कही नहीं जा सकती थी। कामरुपी अग्नि का सच्चा मित्र शीतल मन्द सुगंधित पवन चलने लगा। सरोवरों में अनेकों कमल खिल गए, जिन पर सुंदर भौंरों के समूह मनमोहक गुंजार करने लगे। राजहंस, कोयल और तोते रसीली बोली बोलने लगे और अप्सराएँ गा-गाकर नाचने लगीं। यह सब वातावरण ऐसा था, कि एक साधारण जीव बिना कामवश हुए रह ही नहीं सकता था। लेकिन भगवान शंकर पर अभी भी कामदेव का प्रभाव शून्य प्रतीत हो रहा था। तब कामदेव ने अपनी संपूर्ण सेना सहित करोड़ों प्रकार की कलायों का प्रयोग किया। लेकिन भोलनाथ की पावन अचल समाधि न टूटी। तब कामदेव को क्रोध आ गया-

'सकल कला करि कोटि बिधि हारेउ सेन समेत।
चली न अचल समाधि सिव कोपेउ हृदयनिकेत।।'

अब कामदेव ने अपना अंतिम व सबसे उत्तम अस्त्र का प्रयोग करना चाहा। उसने आम की एक सुंदर डाली को देखा, व मन में क्रोध भरकर उसपर चढ़ गया। उसने पुष्प धनुष पर अपने पाँचों बाण चढ़ाये, और अत्यंत क्रोध से अपने लक्ष्य की और कानों तक तान लिया। तब क्या हुआ-

'छाडे बिषम बिसिख उर लोगे।
छूटि समाधि संभु तब जागे।।
भयउ ईस मन छोभु बिसेषी।
नयन उघारि सकल दिसि देखी।।'

कामदेव के वे पाँव बाण जैसे ही महादेव के हृदय में जाकर लगे, तो उनकी समाधि टूट गई। वे जाग गए। इस घटना से उनके मन में बहुत क्षोभ हुआ। वे अपने नेत्र खोल कर सब ओर देखने लगे, कि आखिर यह कुकृत्य कौन कर रहा है?

जब उन्होंने देखा कि आम के पत्तों में एक डाल पर कामदेव छिपा हुआ है, तो उन्होंने भयंकर क्रोध किया। जिससें तीनों लोाक काँप उठे। अब भगवान शंकर ने अपना तीसरा नेत्र खोला, और जैसे ही अपने तीसरे नेत्र से कामदेव को देखा, तो वह उसी क्षण भस्म हो गया। इस घटना में सब ओर हाहाकार मच गया। देवता डर गए, दैत्य सुखी हुए। भोगी लोग कामसुख को याद करके चिन्ता करने लगे और साधक योगी निष्कंटक हो गए।

कामदेव के दहन का समाचार जैसे ही उसकी पत्नि रति को मिला, तो वह अत्यंत पीड़ा से भर गई। वह रोती चिल्लाती व भाँति भाँति के विलाप करती हुई भगवान शंकर के पास पहुँची। ऐसा नहीं कि रति भगवान शंकर के समक्ष जाकर उनसे लड़ने लगी। अथवा उन्हें उलाहने देने लगी, कि आपने मेरे पति को कैसे भस्म कर दिया? अपितु रति तो दोनों हाथों को जोड़, विनती भाव से भगवान शंकर की स्तुतियाँ करने लगी। कारण कि रति को ज्ञान था, कि मेरे पति ने बहुत ही अक्षम्य अपराध किया है। जिसके परिणाम स्वरुप उसका मरण होना ही था। लेकिन तब भी भगवान शंकर तो करुणा के सागर हैं। शीघ्र प्रसन्न होने वाले हैं। वे अवश्य ही मेरी पीड़ा को समझते हुए, मेरा दुख हरेंगे।

रति का दुख व उसका विनय भाव देखकर, भगवान शंकर को उसपे दया आ गई। तब भगवान शंकर ने रति से कहा-

'अब तें रति तव नाथ कर होइहि नामु अनंगु।
बिनु बपु ब्यापिहि सबहि पुनि सुनु निज मिलन।।'

अर्थात हे रति! अब से तेरे स्वामी का नाम अनंग होगा। वह बिना ही शरीर के सबको व्यापेगा। अब तू अपने पति से मिलने की बात सुन। जब पृथ्वी के बड़े भारी भार को उतारने के लिए यदुवंश में श्री कृष्ण का अवतार होगा, तब तेरा पति उनके पुत्र प्रद्युम्न के रुप में उत्पन्न होगा। मेरा यह वचन अन्यथा नहीं होगा।

मकर संक्रांति, लोहड़ी, पोंगल और उत्तरायण का त्योहार कब रहेगा?

मकर संक्रांति 2025: मकर संक्रांति का हिंदू धर्म में बहुत महत्व माना गया है। इस बार वर्ष 2025 में मकर संक्रांति का पर्व 14 जनवरी को ही रखा जाएगा। सूर्य 14 जनवरी मंगलवार को सुबह 09:03 बजे मकर राशि में प्रवेश करेगा। इसी दिन या इसके आसपास ही दक्षिण भारत में पोंगल, गुजरात में उत्तरायण और पंजाब में लोहड़ी पर्व मनाया जाता है।

मकर संक्रांति:- सूर्य जब मकर राशि में प्रवेश करता है तब मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाता है। भारत के अधिकतर हिस्सों में इस पर्व को मकर संक्रांति ही कहते हैं। इस दिन तिल और गुड़ खाने और इसे प्रसाद के रूप में बांटने का प्रचलन है। मकर संक्रांति के दिन ही गंगाजी भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होती हुई सागर में जाकर मिली थीं। महाराज भगीरथ ने अपने पूर्वजों के लिए इस दिन तर्पण किया था इसलिए मकर संक्रांति पर गंगासागर में मेला लगता है।

पोंगल:- मकर संक्रांति के दिन ही यानी 14 जनवरी 2025 को ही दक्षिण भारत में पोंगल का महापर्व मनाया जाएगा। यह पर्व भी सूर्य के उत्तरायण होने के साथ ही राजा बली को समर्पित पर्व है। चार दिनों चलते वाले इस पर्व का नाम थाई पोंगल है। इसमें पोही के बाद पहले दिन भोगी, दूसरे दिन थाई पोंगल, तीसरे दिन मट्टू पोंगल और चौथे दिन कन्नुम पोंगल रहता है। तीसरा दिन महत्वपूर्ण रहता है।

लोहड़ी:- यह पर्व मकर संक्रांति की पूर्व संध्या के दिन मनाते हैं। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार लोहड़ी का पर्व 13 जनवरी 2025, दिन सोमवार को मनाया जा रहा है। अतः यह पर्व मकर संक्रांति के एक दिन पूर्व रात्रि में मनाया जाता है। रात में लोहड़ी मनाने के बाद अगले दिन लोहड़ी संक्रांति मनाई जाती है। लोहड़ी के दिन रात्रि में अग्नि जलाकर उसमें रेवड़ी, तिल, गुड़, मूंगफली, खील, मक्की के दानों की आहुति देने की मान्यता है। लोहड़ी के दिन गुरुद्वारों के सरोवरों में डुबकी लगाना चाहिए तथा गुरुद्वारों में विशेष शबद कीर्तन में भाग लेना चाहिए और कीर्तन सुनने भी जाना चाहिए।

उत्तरायण:- ऐसी मान्यता है कि सूर्य जब मकर राशि में प्रवेश करता है तो वह उत्तरगामी होता है। उसी तरह जब वह कर्क में प्रवेश करता है तो दक्षिणगामी होता है। इसी को मानकर गुजरात में मकर संक्राति पर्व को उत्तरायण पर्व के रूप में मनाते हैं। इस दिन वहां पर पतंग उड़ाने का रिवाज है। जुलियन कैलेंडर के अनुसार तो लगभग 23 दिसंबर से ही उत्तरायण सूर्य के योग बन जाते हैं, परंतु भारतीय पंचांगों के अनुसार यह तिथि 14 जनवरी को ही आती है। हालांकि सूर्य पौष मास से ही उत्तरायण होना प्रारंभ हो जाता है परंतु इस दौरान मलमास भी चल रहा होता है। इसलिए सूर्य के धनु से मकर में जाने के बाद ही उसे स्पष्टतः उत्तरायण माना जाता है। मकर संक्रांति के दिन से सूर्य स्पष्ट तौर पर उत्तरायण गमन दिखाई देने लगता है। उत्तरायण के दौरान तीन ऋतुएं होती है- शिशिर, बसन्त और ग्रीष्म। इस दौरान वर्षा, शरद और हेमंत, ये तीन ऋतुएं होती हैं।

महाकुंभ में शामिल होने का बना रहे हैं प्लान तो अभी से बुक करा लें टिकट, बेस्ट हैं ये ट्रेन

महाकुंभ के लिए देशभर से स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। आप ट्रेन या बस से बजट में ट्रिप प्लान कर सकते हैं। महाकुंभ पर पर्यटकों की काफी भीड़ होती है। ऐसे में आप पहले से टिकट बुक करा सकते हैं।

साल 2025 में महाकुंभ मेला की शुरूआत 13 जनवरी से हो रही है। संगम नगरी प्रयागराज में होने वाला महाकुंभ का समापन 26 फरवरी 2025 को होगा। यह कुंभ मेला 45 दिनों तक चलेगा। ऐसे में अगर आप भी महाकुंभ में शामिल होना चाहते हैं, तो आप सड़क मार्ग, रेल मार्ग या वायु मार्ग ये प्रयागराज पहुंच सकते हैं। दिल्ली से प्रयागराज की दूरी करीब 676 किमी है। सड़क मार्ग से सिर्फ 10 घंटे में यह सफर पूरा किया जा सकता है। वहीं ट्रेन के जरिए आप सिर्फ 6 घंटे में यह सफर तय कर सकते हैं। अगर आप बजट में यात्रा करना चाहते हैं, तो रेल मार्ग बढ़िया ऑप्शन है।

बता दें कि महाकुंभ के लिए देशभर से स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। आप ट्रेन या बस से बजट में ट्रिप प्लान कर सकते हैं। महाकुंभ पर पर्यटकों की काफी भीड़ होती है। ऐसे में आप पहले से टिकट बुक करा लें, जिससे कि आपको कंफर्म टिकट मिल जाए। कुंभ के लिए आप अभी से टिकट बुक करवा सकते हैं। दिल्ली से प्रयागराज के लिए ट्रेन का किराया 700 रुपए से 2000 रुपए तक है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दिल्ली से प्रयागराज चलने वाली कुछ ट्रेनों के बारे में बताने जा रहे हैं।

वंदे भारत एक्सप्रेस

इसके साथ ही दिल्ली, कानपुर, वाराणसी से प्रयागराज के लिए आपको वंदे भारत एक्सप्रेस मिल जाएगी। यह ट्रेन सुबह 06:00 बजे से दिल्ली से रवाना होगी, जोकि दोपहर 12:08 मिनट पर प्रयागराज पहुंचेगी। इस ट्रेन का टिकट 1420 रुपये (CC) और 2760 रुपये (EC) में मिल जाएगा।

तेजस

दिल्ली से आप तेजस का टिकट बुक करके भी आप प्रयागराज पहुंच सकते हैं। इस ट्रेन का किराया 1715 रुपए है। दिल्ली से प्रयागराज के बीच यह ट्रेन सिर्फ कानपुर में ही रुकती है। यह शाम को 05:10 मिनट पर चलती है और रात 12:00 बजे प्रयागराज पहुंचती है।

गरीब रथ

आप महाकुंभ में शामिल होने के लिए दिल्ली से गरीब रथ भी ले सकते हैं। यह शाम को 04:10 पर रवाना होगी और 06:48 घंटे का सफर तय करके रात करीब 11:00 बजे के आसपास आपको प्रयागराज पहुंचा देगी। गरीब रथ भी सिर्फ कानपुर में रुकती है।

हल्दिया एक्सप्रेस

बता दें कि हल्दिया एक्सप्रेस दिल्ली के आनंद विहार से रात 8:30 बजे निकलेगी और सुबह 04:00 बजे आपको प्रयागराज स्टेशन पर पहुंचाएगी। इस ट्रेन का टिकट 1,000 रुपए है। हल्दिया एक्सप्रेस आनंद विहार से चलती है और गाजियाबाद के रास्ते कानपुर होते हुए प्रयागराज पहुंचती है।

विक्रमशिला एक्सप्रेस

वहीं विक्रमशिला एक्सप्रेस भी आनंद विहार से दोपहर 01:15 मिनट पर निकलती है। यह ट्रेन साढ़े साल घंटे का सफर तय करके आपको रात 08:43 पर प्रयागराज पहुंचाएगी। यह ट्रेन दिल्ली के आनंद विहार से होते हुए कानपुर और फिर सीधे प्रयागराज तक का सफर तय करती है। इस ट्रेन का किराया 925 रुपए है।

दिल्ली से प्रयागराज के लिए ट्रेन

इसके साथ ही आप प्रयागराज हमसफर, पूर्वा एक्सप्रेस, रीवा एक्सप्रेस, शिव गंगा एक्सप्रेस, पुरुषोत्तम एक्सप्रेस, ब्रह्मपुत्र मेल और मगध एक्सप्रेस समेत कई अन्य ट्रेनों के माध्यम से प्रयागराज जा सकते हैं। वहीं आपको बता दें कि इन सभी ट्रेनों में अभी कंफर्म टिकट मिल जाएगा। इसलिए अगर आप महाकुंभ में शामिल होना चाहते हैं, तो अभी से टिकट बुक करवा लें, जिससे कि आपको बाद में कोई असुविधा न हो।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दे कर अपने जीवन का अहम समय और पैसा ध्यान से करें खर्च

अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट द्वारा जाट भवन सैक्टर 3 फरीदाबाद हरियाणा में स्वास्थ्य पर चर्चा की गई इस पर नव वर्ष की शुरुआत में ही आमजन लोगों से एक संकल्प ले कर अपील करते हुए ट्रस्ट के संस्थापक डॉ हृदयेश कुमार ने विभिन्न प्रकार से आमजन लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जागरूक किया गया डॉ हृदयेश कुमार का कहना है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति उतने ही वफादार रहें जितने आप अपने मोबाइल के रख रखाव में होते हैं क्यों कि आप का स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी पूंजी है लेकिन आप अपने स्वास्थ्य से संबंधित हमेशा ही खिलवाड़ करते हैं ये मानव जीवन आप को मिला है तो आप सभी को बहुत खास तरीके से अपने स्वास्थ्य का ध्यान केंद्रित करना चाहिए कुछ बहुत ही घटिया किस्म के फूड हैं जो आप के शरीर की , कोशिकाओं को सिकोड़ देंगे, आप को पता नहीं चल रहा है कि आप स्वाद के चक्कर में जहर मजे से खा रहे हैं

अधिकतर बीमारियों का कारण खराब खाना है। रोजमर्रा की जिंदगी में हम कई सारी ऐसी चीजें खा रहे हैं जो शरीर को अंदर से नुकसान पहुंचा रही हैं। इनमें कुछ चीजों के बारे में तो हमें पता भी नहीं होता, जो कैंसर का भी कारण बन सकती हैं1 बाजरा, देसी घी, हरी सब्जियां, ताजे फल, दालें आदि चीजों को खूब खाना चाहिए। यह शरीर को ताकत देने के साथ बीमारियों से दूर रखती हैं लेकिन खाने-पीने कुछ चीजें इतनी नुकसानदायक होती हैं कि शरीर की कोशिकाओं को सिकोड़ने का काम करती हैं1

हमारे शरीर में बहुत सारी कोशिकाओं होती हैं। जिसमें खून, सांस व अन्य तरल पदार्थ घूमते हैं। अनहेल्दी फूड्स खाने से इनके अंदर फैट, प्लाक, शुगर, टॉक्सिन व अपशिष्ट पदार्थ जम जाते हैं। यह स्थिति डायबिटीज, दिल की बीमारी, मोटापा व कैंसर का भी कारण बन सकती है।

अगर आप इन्हें खाते हैं तो अब से हमेशा के लिए छोड़ दें। इन्हें चखना भी शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकता है। ऐसे ही 10 चीजों के बारे में जानते हैं, जिनका सेवन कभी नहीं करना चाहिए। डाइटिशियन और न्यूट्रिशनिस्ट भी इनसे बचने की सलाह देते हैं।

1. नकली देसी घी

आयुर्वेद कहता है कि घी खाने से शारीरिक बल में इजाफा होता है। लेकिन नकली घी खाने से शरीर खराब भी हो सकता है। इसे बनाने के लिए केमिकल व सिंथेटिक कलर का इस्तेमाल होता है जो कैंसर जैसी बीमारी का कारण बन सकते हैं।

2. केमिकल से पके फल

आजकल फलों को केमिकल से पकाया जा रहा है। यह खतरनाक केमिकल कई तरह की गंभीर बीमारी पैदा करता है। सेब को चमकाने के लिए वैक्स का इस्तेमाल भी होता है। ऐसे फल खाने से दिल की बीमारी, फूड पॉइजनिंग, कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा बढ़ता है।

3. बाजार में मिलने वाले आलू के चिप्स

यह टेस्टी स्नैक शरीर की सारी नसों को ब्लॉक कर सकता है। इसमें फैट काफी मात्रा में होता है, जिससे गंदा कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है। यह आर्टरी में जम जाता है और हार्ट अटैक का कारण बनता है। एनसीबीआई का शोध कहता है कि आलू को ऊंचे तापमान पर तलने से एक्रिलामाइड बनता है जो कैंसर कर सकता है।

4. पैकेटबंद जूस

एनर्जी के लिए ताजे फलों का जूस पीना चाहिए। लेकिन अगर आप पैकेटबंद जूस पी रहे हैं तो रुक जाइए। इनके अंदर आर्टिफिशियल शुगर व कलर एडिक्टिव होते हैं। डायबिटीज में इन्हें चखने से भी लेने के देने पड़ जाएंगे।

5. एनर्जी ड्रिंक

एनर्जी ड्रिंक पीना पैकेटबंद जूस से भी कई गुना खतरनाक है। इसमें कैफीन और शुगर का बहुत अधिक इस्तेमाल होता है। जो ब्लड शुगर बढ़ाती है और दिमाग के काम करने की क्षमता को भी कम करती है।

6. केक और बिस्किट
7. सफेद ब्रेड
8. प्रोसेस्ड और फ्रोजन मीट
9. पिज्जा-बर्गर आदि फास्ट फूड
10. शराब और धूम्रपान

यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता। ज्यादा जानकारी के लिए हमेशा अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

सिर्फ़ पौराणिक कथाएँ ही नहीं, महाकुंभ के पीछे प्राचीन विज्ञान भी है

13 जनवरी से शुरू होने वाला महाकुंभ मेला न केवल दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक समारोहों में से एक है, बल्कि आध्यात्मिकता, पौराणिक कथाओं और विज्ञान का एक आकर्षक संगम भी है।

13 जनवरी से शुरू होने वाला महाकुंभ मेला न केवल दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक समारोहों में से एक है, बल्कि आध्यात्मिकता, पौराणिक कथाओं और विज्ञान का एक आकर्षक संगम भी है। हर चार साल में तीन पवित्र स्थानों - हरिद्वार, उज्जैन और नासिक - और हर 12 साल में प्रयागराज में आयोजित होने वाले इस उत्सव में लाखों तीर्थयात्री आते हैं, जो मानते हैं कि इस अवधि के दौरान पवित्र नदियों में स्नान करने से जीवन और मृत्यु के चक्र से मुक्ति मिलती है।

महाकुंभ मेले की उत्पत्ति प्राचीन हिंदू पौराणिक कथाओं में पाई जाती है

अपने आध्यात्मिक सार से परे, इस उत्सव का समय खगोलीय घटनाओं, विशेष रूप से बृहस्पति ग्रह और उसकी कक्षा से जुड़ी घटनाओं में गहराई से निहित है।

पौराणिक कथाएँ क्या कहती हैं?

महाकुंभ मेले की उत्पत्ति प्राचीन हिंदू पौराणिक कथा ₹समुद्र मंथन₹ या ब्रह्मांडीय महासागर के मंथन से हुई है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, देवताओं और राक्षसों ने मिलकर अमृत, अमरता का अमृत प्राप्त करने के लिए समुद्र मंथन किया था।

इस प्रक्रिया के दौरान, दिव्य अमृत की बूँदें पृथ्वी पर चार स्थानों पर गिरी थीं, जो कुंभ मेले के स्थल बन गए। ₹कुंभ₹ शब्द, जिसका अर्थ है ₹बर्तन₹, इस अमृत को धारण करने वाले कंटेनर का प्रतीक है, जो त्योहार को आकाशीय और आध्यात्मिक पोषण से जोड़ता है।

कुंभ मेला खगोल विज्ञान की उन्नत समझ को दर्शाता है

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से, कुंभ मेला खगोल विज्ञान और मानव जीव विज्ञान पर इसके प्रभावों की उन्नत समझ को दर्शाता है।

शोध से संकेत मिलता है कि ग्रहों की संरेखण पृथ्वी के विद्युत चुम्बकीय क्षेत्रों को प्रभावित कर सकते हैं, जो बदले में जैविक प्रणालियों को प्रभावित करते हैं। जैव-चुंबकत्व में अध्ययन से पता चलता है कि मानव शरीर विद्युत चुम्बकीय बलों का उत्सर्जन करते हैं और अपने वातावरण में आवेशित क्षेत्रों पर प्रतिक्रिया करते हैं।

यह घटना शायद यह समझा सकती है कि क्यों कई प्रतिभागी त्यौहार के दौरान अपने समय के दौरान शांति और तंदुरुस्ती की भावना की रिपोर्ट करते हैं। त्यौहार का कार्यक्रम विशिष्ट ग्रहों की संरेखण द्वारा निर्धारित किया जाता है, जिसमें बृहस्पति केंद्रीय भूमिका निभाता है। सूर्य के चारों ओर बृहस्पति की 12 साल की परिक्रमा इसे समय-समय पर विशेष राशियों के साथ संरेखित करती है जो शुभ समय का संकेत देती हैं। महाकुंभ मेला तब आयोजित किया जाता है जब बृहस्पति सूर्य और चंद्रमा की स्थिति के साथ एक विशिष्ट संरेखण में प्रवेश करता है।

कुंभ मेला स्थल प्राचीन भारत की भू-चुंबकीय शक्तियों की गहन समझ को प्रकट करते हैं

माना जाता है कि यह संरेखण पृथ्वी के विद्युत चुम्बकीय क्षेत्रों को बढ़ाता है। बृहस्पति 7 दिसंबर, 2024 को विपरीत दिशा में पहुँच गया, जिसमें पृथ्वी ग्रह और सूर्य के ठीक बीच में स्थित थी। इस घटना ने बृहस्पति को रात के आकाश में चमकाया। यह विशेष रूप से जनवरी 2025 में ऐसा करना जारी रखेगा, क्योंकि यह महीने के अधिकांश समय तक दिखाई देता है, जो आधी रात के आसपास चरम पर होता है। अगले कुछ हफ़्तों में, चार ग्रह- शुक्र, शनि, बृहस्पति और मंगल- सूर्यास्त के तुरंत बाद प्रमुख रूप से दिखाई देंगे, जो पर्यवेक्षकों के लिए एक चकाचौंध प्रदर्शन बनाएंगे।

प्राचीन समझ

कुंभ मेला स्थलों के चयन से प्राचीन भारत की भूगोल और भू-चुंबकीय शक्तियों की गहन समझ का पता चलता है।

नदियों के संगम पर स्थित इन स्थानों पर मजबूत भू-चुंबकीय ऊर्जा क्षेत्र पाए जाते हैं। प्राचीन ऋषियों ने इन क्षेत्रों को आध्यात्मिक विकास के लिए अनुकूल माना है, तथा त्यौहार के समय और स्थानों को निर्धारित करने के लिए पृथ्वी की ऊर्जा प्रणालियों के अपने ज्ञान का लाभ उठाया है।

जैसा कि दुनिया 2025 के महाकुंभ मेले का इंतजार कर रही है, यह आयोजन मानवता के ब्रह्मांड से स्थायी संबंध के बारे में है।

यह आस्था, पौराणिक कथाओं और वैज्ञानिक सिद्धांतों का एक अनूठा मिश्रण है, जो मानव जीवन पर ब्रह्मांड के प्रभाव की गहन समझ प्रदान करता है।

लग्जरी फ्लैट्स, हाई-फाई फैसिलिटी; नए साल पर दिल्ली में पीएम मोदी का गरीबों को शानदार तोहफा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में 1675 नवनिर्मित फ्लैटों का उद्घाटन किया जो झुग्गीवासियों के लिए एक शानदार तोहफा है। ये फ्लैट आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं और नवीनतम तकनीक से निर्मित हैं। इसके अलावा उन्होंने नौरोजी नगर में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर और सरोजिनी नगर में जीपीआरए टाइप- II क्वार्टर का भी उद्घाटन किया।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के अशोक विहार में स्वाभिमान अपार्टमेंट में जेजे क्लस्टर निवासियों के लिए 1,675 नवनिर्मित फ्लैटों का उद्घाटन किया, जो डीडीए द्वारा दूसरी सफल इन-सीटू स्लम पुनर्वास परियोजना है।

उन्होंने पर्यावरण अनुकूल और आधुनिक बुनियादी ढांचे का प्रदर्शन करते हुए नौरोजी नगर में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर और सरोजिनी नगर में जीपीआरए टाइप- II क्वार्टर का भी उद्घाटन किया।

तीन दिल्ली विश्वविद्यालय परियोजनाओं की रखी गई आधारशिला

इसके अतिरिक्त, द्वारका में सीबीएसई एकीकृत कार्यालय परिसर और तीन दिल्ली विश्वविद्यालय परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई, जिसमें सतत शहरी विकास और अत्याधुनिक सुविधाओं पर जोर दिया गया।

बता दें गरीबों को यह घर जहां झुग्गी वहां मकान योजना के तहत झुग्गीवासियों को दिया गया है। हर फ्लैट में दो कमरे, एक किचन, एक टॉयलेट, एक बाथरूम और एक बालकनी। फ्लैटों को नवीनतम MIVAN तकनीक के आधार पर बनाया गया है।

गरीबों के लिए बनाए चार करोड़ घर- पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को रोहिणी के जापानी पार्क में स्थित रैली विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने आम आदमी पार्टी और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा। PM मोदी ने कहा, ₹पिछले 10 वर्षों में, (मेरी सरकार ने) गरीबों के लिए चार करोड़ घर बनाए हैं और उनके सपनों को पूरा किया है।

मैं एक 'शीश महल' भी बना सकता था, लेकिन मेरा सपना अपने देशवासियों को पक्का घर देना था।₹ उन्होंने कहा कि 2025 भारत के लिए कई नई संभावनाएं लेकर आएगा।

पीएम ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि वह भी अपने लिए शीशमहल बना सकते थे लेकिन उनका सपना देश में सभी के लिए घर सुनिश्चित करना था। पीएम आगे कहा कि एक तरफ केंद्र सरकार काफी कोशिशें कर रही है। दूसरी ओर, आप सरकार बेशर्म होकर झूठ बोलती है।

केजरीवाल ने पीएम मोदी के आरोपों का दिया जवाब

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (PM Modi) के आम आदमी पार्टी (Aam Aadmi Party) को 'आपदा' कहने पर आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसका जवाब दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा केजरीवाल को गालियां देकर चुनाव जीतना चाहती है। भाजपा ने दिल्ली के लोगों के लिए कोई काम नहीं किया है। बीजेपी के पास कोई सीएम चेहरा नहीं है।

केजरीवाल (Arvind Kejriwal) ने कहा कि 2700 करोड़ के मकान में रहने वाला व्यक्ति शीशमहल की बात करता है तो उसके मुंह से बात अच्छी नहीं लगती आज प्रधानमंत्री ने कहा है दिल्ली में आपदा आई हुई है तो मैं उन्हें कहना चाहता हूं कि दिल्ली में आपदा नहीं आई है।

आपदा भाजपा (Delhi BJP) में आई हुई है भाजपा के पास सीएम पद का कोई चेहरा नहीं है भाजपा के पास यह योजना नहीं है कि चुनाव किस मुद्दे पर लड़ा जाए, दिल्ली में एक और आपदा आई है वह है अपराधों की।

दिल्ली चुनाव के लिए आई कांग्रेस की तीसरी लिस्ट मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ अलका लांबा को टिकट

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपनी तीसरी लिस्ट जारी कर दी है। इस बार पार्टी ने सिर्फ एक ही नाम का ऐलान किया है। कांग्रेस ने कालकाजी सीट से अलका लांबा को टिकट दिया है। इस सीट से आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की सीएम आतिशी को मैदान में उतारा है। कांग्रेस अलाकमान ने उनकी उम्मीदवारी को पहले ही मंजूरी दे दी थी।

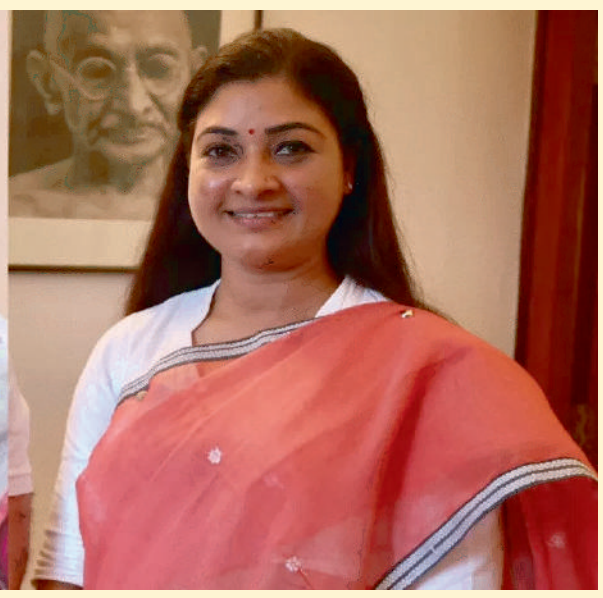

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपनी तीसरी लिस्ट जारी कर दी है। इसमें सिर्फ एक नाम का ही एलान किया गया है। पार्टी ने कालकाजी सीट से अलका लांबा को टिकट दिया है। बता दें, इस सीट से दिल्ली की सीएम आतिशी आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार हैं।

कांग्रेस ने एक्स पर पोस्ट किया- केंद्रीय चुनाव समिति ने सुश्री अलका लांबा की उम्मीदवारी को मंजूरी दे दी है। अलका लांबा दिल्ली विधान सभा के लिए आगामी चुनाव 51-कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार बनाई गईं हैं। बता दें इस बार अजित पवार की नेतृत्व वाली एनसीपी ने भी 11 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं।

अब तक 48 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है कांग्रेस

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अब तक 48 उम्मीदवारों का एलान कर दिया है। पार्टी ने पिछले महीने पहली सूची जारी की थी, जिसमें 21 उम्मीदवारों के नाम शामिल थे। इसके बाद पार्टी ने दूसरी लिस्ट जारी की थी, जिसमें 26 प्रत्याशियों के नाम शामिल थे। पार्टी शुक्रवार को तीसरी लिस्ट जारी की, जिसमें एक उम्मीदवार के नाम शामिल हैं। कांग्रेस ने केजरीवाल के खिलाफ पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित को मैदान में उतारा है। जंगपुरा सीट से मनीष सिसोदिया के खिलाफ कांग्रेस ने फरहाद सूरी को मैदान में उतारा है।

70 उम्मीदवार घोषित कर आप ने बनाया रिकॉर्ड

दिल्ली विधानसभा चुनाव को आम आदमी पार्टी को गंभीरता से ले रही है। यही कारण है कि सत्तारूढ़ AAP ने सभी 70 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। इस बार पार्टी ने पटपड़गंज सीट से मशहूर शिक्षक अवध ओझा को टिकट दिया है। वहीं पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया जंगपुरा से मैदान में होंगे। सीएम आतिशी कालकाजी सीट से ही उम्मीदवार हैं। इस बार अलका लांबा के उतारे जाने से मुकाबला दिलचस्प हो गया है।

उम्मीदवारों को लेकर मंथन में जुटी बीजेपी

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने चुनाव को लेकर अपने पत्ते नहीं खोले हैं। माना जा रहा है कि बीजेपी जल्द ही अपने प्रत्याशियों की सूची जारी कर सकती है। दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी में प्रत्याशियों को लेकर अभी मंथन जारी है। बताया गया कि बीजेपी दिल्ली की हर पर मंथन कर रही है। इसी वजह से भाजपा की लिस्ट जारी होने में देरी हो रही है।

केजरीवाल ने दलितों के साथ धोखा किया मोहनलाल गिहारा

सुषमा रानी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल गिहारा ने आज पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि अन्ना हजारे के आंदोलन में कसम खाकर अपनी पार्टी बनाने वाले अरविंद केजरीवाल कहते थे कि कांग्रेस के भ्रष्टाचार का पर्दाफाश करके रहेंगे और उनके एक-एक नेताओं को जेल में भेजेंगे आज अरविंद केजरीवाल कांग्रेस का भ्रष्टाचार तो नहीं खत्म कर सके परंतु कांग्रेस के साथ मिलकर कई चुनाव लड़ चुके हैं और खुद भ्रष्टाचार में अपने मंत्रियों के साथ पूरी तरह लिप्त होकर जेल जा चुके हैं और जमानत पर बाहर हैं।

गिहारा ने कहा कि केजरीवाल ने सरकार बनते ही कहा था कि वह सरकारी बंगला नहीं लेंगे सरकारी गाड़ी नहीं लेंगे पुलिस सुरक्षा भी नहीं लेंगे यह सब बातें उन्होंने झूठ बोली थी उन्होंने सरकार बनने पर सरकारी बंगला भी लिया सरकारी गाड़ी भी ली सरकारी सुरक्षा भी ली और जनता को झूठ बोलकर बेवकूफ भी बनाया केजरीवाल की सब बेवकूफ भारी झूठी बातें सुनकर आज उनके महान गुरु अन्ना हजारे जो की महान गांधीवादी देशभक्त हैं और सच्चे चरित्रवान व्यक्ति भी हैं लोग उनकी कसम खाते हैं आज केजरीवाल की इन हरकतों पर उन्हें जरूर अफसोस व पछतावा होता होगा कि उन्होंने किस महान व्यक्ति अरविंद केजरीवाल को अपना चेला बनाया जिसने दोनों हाथों से दिल्ली और पंजाब की भोली भाली जनता को बेवकूफ बनाकर दोनों हाथों लुटा है।

उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने हमारे दलित समाज के सफाई कर्मचारी को अपनी आम आदमी पार्टी खड़ी कर झाड़ू चुनाव चिन्ह दिखाकर धोखे में रखा और बोला कि मैं दलित सफाई कर्मचारीयो का रखवाला हूं झाड़ू देखकर दलित सफाई* *कर्मचारी भी अरविंद केजरीवाल के* *छलावे* *में आ गया और उसको वोट देकर मुख्यमंत्री बना दिया परंतु अरविंद* *केजरीवाल ने दलित सफाई कर्मचारियों को दोनों हाथों से लुटा जब से केजरीवाल की सरकार बनी है ना तो समय पर सफाई कर्मचारियों को तनख्वा मिल रही है ना ही सफाई कर्मचारियों को पक्का किया गया है*

गिहारा ने कहा कि आज यही सफाई कर्मचारी दिल्ली के *विधानसभा चुनाव में केजरीवाल से अपनी झाड़ू छीन कर उसको सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाने जा रहे है आज दिल्ली में 2 करोड़ 25 लाख जनसंख्या है जिसमें 40 परसेंट दलित समाज वोटर है और आज दिल्ली की सत्ता यही दलित समाज भारतीय जनता पार्टी को सौंपने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आज दिल्ली की जनता को ना तो बिजली मुफ्त मिल रही है ना पानी मिल रहा है और ना ही कोई फ्री में योजना मिल रही है सब कुछ दिल्ली की जनता को अपने पैसों से खरीद कर लेना पड़ रहा है बिजली भी महंगी मिल रही है पानी भी महंगा मिल रहा है सिर्फ दिल्ली की जनता को मिल रहा है तो केजरीवाल का धोखा मिल रहा है वह भी फ्री में।

करीब 44 मिनट के भाषण में 38 बार 'आप-दा' का जिक्र, शीशमहल से कट्टर बेईमान तक... पीएम मोदी के तीखे वार

पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 44 मिनट के भाषण में 38 बार आपदा करार दिया। PM मोदी ने कहा पिछले 10 वर्षों में (मेरी सरकार ने) गरीबों के लिए चार करोड़ घर बनाए हैं और उनके सपनों को पूरा किया है। मैं एक शीश महल भी बना सकता था लेकिन मेरा सपना अपने देशवासियों को पक्का घर देना था। 2025 भारत के लिए कई नई संभावनाएं लेकर आएगा।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को आप को दिल्ली के लिए 'आपदा' करार देते हुए कहा कि इस 'आपदा' ने पिछले 10 वर्षों में राष्ट्रीय राजधानी को अपनी चपेट में ले लिया है। पीएम मोदी शक्रवार को राजधानी दिल्ली में तीन कॉलेज परिसर का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित किया और आम आदमी पार्टी को आपदा करार दिया। पीएम मोदी ने करीब 44 मिनट के भाषण में 38 बार आपदा बोला।

राजधानी दिल्ली में आवास और शिक्षा क्षेत्रों सहित कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की शुरुआत करने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने आप के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर आप का शासन जारी रहा तो राष्ट्रीय राजधानी में स्थिति और खराब हो जाएगी।

आप सरकार बेशर्म होकर झूठ बोलती है: PM मोदी

उन्होंने कहा कि एक तरफ केंद्र सरकार काफी कोशिशें कर रही है। दूसरी ओर, आप सरकार बेशर्म होकर झूठ बोलती है। पीएम मोदी ने आप सरकार पर स्कूली शिक्षा से लेकर प्रदूषण और शराब व्यापार तक कई क्षेत्रों में भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया। दिल्ली में अगले महीने विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली ने इस 'आपदा' पर युद्ध शुरू कर दिया है और इससे छुटकारा पाने का फैसला किया है।

आपदा को नहीं सहेंगे, बदल देंगे: PM मोदी

आप की हार का आह्वान करते हुए मोदी ने नारा दिया, ₹आपदा को नहीं सहेंगे, बदल देंगे।₹ उन्होंने कहा, ₹यह वर्ष राष्ट्र-निर्माण और लोगों के कल्याण की एक नई राजनीति की शुरुआत करेगा, इसलिए 'आपदा' को हटाना होगा और भाजपा को लाना होगा।₹ मोदी ने कहा कि दिल्ली सरकार ने केंद्र की महत्वपूर्ण स्वास्थ्य बीमा योजना 'आयुष्मान भारत' और अन्य कार्यक्रमों को राष्ट्रीय राजधानी में अनुमति नहीं दी है।

मुझे देश के लोगों के लिए घर बनाने हैं: PM मोदी

उन्होंने कहा, ₹अगर राजधानी में राजमार्ग बनाए जा रहे हैं और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) गरीबों के लिए घर बनाने में सक्षम है, तो ऐसा इसलिए है क्योंकि इन क्षेत्रों में 'आपदा' की ज्यादा भूमिका नहीं है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि वह भी अपने लिए शीशमहल बना सकते थे लेकिन उनका सपना देश में सभी के लिए घर सुनिश्चित करना था। उन्होंने आप पर बेशर्मी और झूठे वादे करने का आरोप लगाते हुए कहा, ₹ये लोग भ्रष्टाचार करते हैं और फिर उसका महिमामंडन करते हैं।₹

मेरी सरकार ने गरीबों के लिए चार करोड़ घर बनाए: PM मोदी

PM मोदी ने कहा, ₹पिछले 10 वर्षों में, (मेरी सरकार ने) गरीबों के लिए चार करोड़ घर बनाए हैं और उनके सपनों को पूरा किया है। मैं एक 'शीश महल' भी बना सकता था, लेकिन मेरा सपना अपने देशवासियों को पक्का घर देना था।₹ उन्होंने कहा कि 2025 भारत के लिए कई नई संभावनाएं लेकर आएगा।

शहरी गरीबों के लिए एक करोड़ नए घर बनेंगे: PM मोदी

उन्होंने कहा कि नए साल में भारत एक बड़ा विनिर्माण केंद्र बनेगा, जिसमें कृषि क्षेत्र और महिला नेतृत्व वाले विकास में भी नए कीर्तिमान दर्ज होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2025 में भारत की वैश्विक स्थिति और छवि भी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि गरीबों और मध्यम वर्ग को किफायती आवास उपलब्ध कराना भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की प्राथमिकता है और अगले चरण में शहरी

दिल्ली में बिजली पर सियासत तेज, अब यहां के उपभोक्ताओं को भरना होगा ज्यादा बिल; NDMC ने दी मंजूरी

दिल्ली में बिजली बिलों पर चल रही राजनीति के बीच एनडीएमसी क्षेत्र के निवासियों को अब अधिक बिजली बिल चुकाना होगा। दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग ने हाल ही में बीएसईएस और टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड के पीपीएसी में कटौती की थी लेकिन NDMC को 15.77 प्रतिशत की वृद्धि की अनुमति दी है। इससे एनडीएमसी क्षेत्र में बिजली बिल दिल्ली के अन्य क्षेत्रों की तुलना में सबसे अधिक होगा।

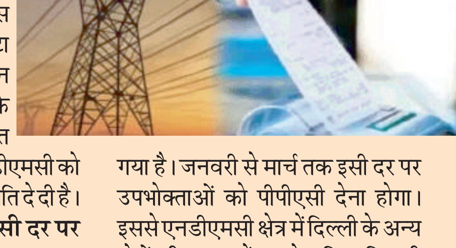

नई दिल्ली। दिल्ली में बिजली बिल पर चल रही राजनीति के बीच नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) क्षेत्र में रहने वाले उपभोक्ताओं को अब अधिक बिल चुकाना होगा। पिछले दिनों दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) ने बीएसईएस की दोनों कंपनियों और टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल) के पीपीएस में 16 से 25 प्रतिशत तक कटौती की थी। वहीं, एनडीएमसी को 15.77 प्रतिशत वृद्धि की अनुमति दे दी है।

जनवरी से मार्च तक इसी दर पर देना होगा पीपीएसी

पहले एनडीएमसी उपभोक्ताओं से 38.75 प्रतिशत पीपीएसी वसूला जाता था। अब यह बढ़कर 54.52 प्रतिशत हो गया है। जनवरी से मार्च तक इसी दर पर उपभोक्ताओं को पीपीएसी देना होगा। इससे एनडीएमसी क्षेत्र में दिल्ली के अन्य क्षेत्रों की तुलना में सबसे अधिक बिजली बिल देना होगा।

इस इलाके में उपभोक्ताओं को 600 यूनिट बिजली पर 4313 रुपये

अप्रैल से जून के लिए एनडीएमसी को 50.86 प्रतिशत की दर से पीपीएसी वसूलने की अनुमति मिली है। पीपीएसी बढ़ाए जाने से एनडीएमसी क्षेत्र के उपभोक्ताओं को प्रति माह 600 यूनिट बिजली खपत पर 5398 रुपये देने होंगे। मार्च के बाद यह कम होकर 5281 रुपये हो जाएगा। टीपीडीडीएल क्षेत्र में उपभोक्ताओं को 600 यूनिट बिजली खपत पर 4313 रुपये, बीआरपीएल में 4239 रुपये और बीवाईपीएल में 4093 रुपये का बिल देना पड़ता है। एनडीएमसी क्षेत्र में लगभग 70 हजार बिजली कनेक्शन हैं जिसमें से 60 प्रतिशत से अधिक घरेलू हैं।

'दिल्ली में नहीं बल्कि भाजपा में...' पीएम मोदी के 'आप-दा' अटैक पर केजरीवाल का पलटवार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आम आदमी पार्टी को आपदा कहने पर अरविंद केजरीवाल ने पलटवार किया है। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा केजरीवाल को गालियां देकर चुनाव जीतना चाहती है। भाजपा ने दिल्ली के लोगों के लिए कोई काम नहीं किया है। उन्होंने 2020 में भाजपा द्वारा लोगों को मकान दिए जाने के वादे को याद दिलाया और कहा कि भाजपा ने दिल्लीवालों की पीठ में छुरा घोंपा है।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आम आदमी पार्टी को 'आपदा' कहने पर आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका जवाब दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केजरीवाल को गालियां देकर चुनाव जीतना चाहती है। भाजपा ने दिल्ली के लोगों के लिए कोई काम नहीं किया है। केजरीवाल ने 2020 में भाजपा द्वारा लोगों को मकान दिए जाने के वादे को याद दिलाया। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने 2020 में कहा था कि दिल्ली के सभी झुग्गी वालों को मकान दे दिये जाएंगे मगर ऐसा नहीं किया। केजरीवाल ने कहा कि इस घोषणा पर केवल 4700 मकान बनाए हैं। केजरीवाल ने कहा कि जिस तरह से झुग्गी वालों को मकान देने का भाजपा ने वादा किया है, उस हिसाब से 200 साल में भी दिल्ली वालों को भाजपा मकान नहीं दे पाएगी।

भाजपा ने दिल्लीवालों की पीठ में छुरा घोंपा: केजरीवाल

केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने दिल्लीवालों को धोखा दिया है। उनकी पीठ में छुरा घोंपा है। इन लोगों ने पिछले 5 साल में 2078 लोगों को बेघर किया है। यह लोग लोगों को मकान देने की बात करते हैं और पीछे से उन्हें उजाड़ने का काम करते हैं, यह लोग गरीबों के दुश्मन हैं। कालकाजी में इन लोगों ने जिन झुग्गी वालों को मकान दिए हैं, वहां के हालात बहुत खराब हैं। लोग परेशान हैं और वे कह रहे हैं कि इससे तो अच्छे झुग्गी में अच्छे थे।

तीन कॉलेज की आधारशिला रखने में 10 साल लग गए: केजरीवाल

केजरीवाल ने कहा कि आज प्रधानमंत्री जी ने तीन कॉलेज की आधारशिला रखी है। मैं प्रधानमंत्री से पूछना चाहता हूं कि इन तीन कॉलेज की आधारशिला रखने में आपको 10 साल क्यों लग गए? प्रधानमंत्री ने जितने समय में तीन कॉलेज की आधारशिला रखी है, इतने समय में हम लोगों ने दिल्ली में 22000 क्लासरूम बनाए हैं। मैंने दिल्ली में तीन यूनिवर्सिटी बनाई है। मैं प्रधानमंत्री जी से कहना चाहता हूं कि आप गालियां देने की बजाय हमसे भी बड़ी लकीर खींचते। मैंने पांच साल में 530 मोहल्ला क्लिनिक बनाए, आप पांच हजार बना देते। इससे आपको 39 मिनट तक मुझे गालियां देने की जरूरत नहीं होती।

2700 करोड़ के मकान में रहनेवाला शीशमहल बोल रहा: केजरीवाल

केजरीवाल ने पीएम मोदी के शीशमहल वाले बयान पर कहा कि 2700 करोड़ के मकान में रहने वाला व्यक्ति शीशमहल की बात करता है तो उसके मुंह से यह बात अच्छी नहीं लगती। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली में आपदा आई हुई है तो मैं उन्हें कहना चाहता हूं कि दिल्ली में आपदा नहीं आई है, ब्लकि आपदा भाजपा में आई हुई है। भाजपा के पास सीएम पद का कोई चेहरा नहीं है। भाजपा के पास यह योजना नहीं है कि चुनाव किस मुद्दे पर लड़ा जाए। दिल्ली में एक और आपदा आई है वह है अपराधों की।

दिल्ली यूनिवर्सिटी में सहायक प्रोफेसर की नौकरी दिलवाने के नाम पर 26 लाख ठगे, जानें पूरा मामला

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर की नौकरी दिलाने के नाम पर गुरुग्राम की एक महिला से 26 लाख रुपये की ठगी की गई। आरोपितों ने महिला के परिवार को जाल में फंसाकर यह ठगी की। महिला को कई बार यूनिवर्सिटी की ई-मेल आईडी से ई-मेल भी भेजे गए। जब महिला कागजों की जांच के लिए यूनिवर्सिटी पहुंची तो उसे धोखाधड़ी का पता चला।

गुरुग्राम। दो लोगों ने गुरुग्राम के डूंडाहेड़ा गांव निवासी एक महिला को दिल्ली यूनिवर्सिटी में सहायक प्रोफेसर की नौकरी दिलवाने के नाम पर 26 लाख रुपये की ठगी कर ली। आरोपितों ने साजिश रचकर महिला के परिवारवालों को जाल में फंसाया।

कई बार यूनिवर्सिटी की ई-मेल आईडी से महिला के पास ई-मेल भेजे गए। आरोपितों के कहे अनुसार जब महिला कागजों की जांच कराने के लिए यूनिवर्सिटी पहुंची तो धोखाधड़ी का पता चला। रुपये वापस मांगने पर उन्होंने जान से मारने की धमकी दी।उद्योग विहार थाने में बुधवार को धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया।

महिला के भाई ने उद्योग विहार थाना पुलिस को दी शिकायत

महिला के भाई अंकुर राव ने उद्योग विहार थाना पुलिस (Gurugram Police) को दी शिकायत में कहा कि उनकी बहन पूजा यादव शादीशुदा हैं। वह 2023 में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी में सहायक प्रोफेसर पद के लिए भी इंटरव्यू दिया, लेकिन इसमें वह फेल हो गईं।

रवि ने बताया कि उनकी नूंह के ताउड़ू निवासी ओमकार यादव से जान पहचान थी। वह अक्टूबर 2023 में उनके घर आया। उसने बातों-बातों में पूजा की नौकरी के बारे में पूछा। जब उसे इंटरव्यू क्लीयर न होने के बारे में बताया तो उसने कहा कि उसकी दिल्ली यूनिवर्सिटी में उच्च अधिकारियों से जान पहचान है।

आरोपितों ने पूजा के परिवारवालों को दिखाए कई नौकरी के खत

वह पूजा का इंटरव्यू क्लीयर कराकर नौकरी पर लगवा देगा। इसके बाद उसने रोहतक के सांपला निवासी संदीप कुमार व अन्य लोगों से मिलवाया। नौकरी लगवाने के लिए 32 लाख रुपये मांगे गए। झांसे में लेने के लिए आरोपितों ने पूजा के परिवारवालों को कई नौकरी के लेटर दिखाए।

रवि ने शुरुआत में 15 लाख रुपये ट्रांसफ कर दिए। इंटरव्यू की ई-मेल आने पर पांच लाख रुपये दिए गए। अप्रैल 2024 तक आरोपितों को 26 लाख रुपये दे दिए गए। इस दौरान पूजा के मेल पर यूनिवर्सिटी की ई-मेल आइडी से कई बार मेल आए। कभी इंटरव्यू तो कभी कागजों की जांच की मेल भेजी गई।

जब अप्रैल 2024 में कागजों की जांच के लिए पूजा व रवि कैंपस में पहुंचे तो उन्हें धोखाधड़ी का पता चला। इस पर उन्होंने ओमकार से रुपये वापस मांगे। कई महीनों तक आरोपित पैसे देने के लिए टाल-मटोल करते रहे। अंत में रुपये वापस मांगने पर उन्होंने जान से मारने की धमकी दी। थाना पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

वाटिका चौक से दिल्ली-जयपुर हाईवे तक बनेगा एलिवेटेड कॉरिडोर, गुरुग्राम से दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर जाना आसान

गुरुग्राम के वाटिका चौक से दिल्ली-जयपुर हाईवे तक बनने वाला नया एलिवेटेड कॉरिडोर शहर के ट्रैफिक को सुगम बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। इस प्रोजेक्ट पर 750 करोड़ रुपये की लागत आएगी और इसे दो साल में पूरा किया जाएगा। इस कॉरिडोर के बनने से वाटिका चौक सुभाष चौक और राजीव चौक पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा और वाहन आसानी से अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे।

गुरुग्राम। शहर के वाटिका चौक से दिल्ली-जयपुर हाईवे तक सदर्न पेरिफेरल रोड (एसपीआर) तक सिक्स लेन का एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया जाएगा। गुरुग्राम मेट्रोपालिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (जीएमडीए) द्वारा प्रोजेक्ट की डीपीआर यानी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (DPR) तैयार करने के लिए सलाहकार की नियुक्त की जाएगी।

जीएमडीए (GMDA) ने इसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। सोहना रोड और गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड के बीच स्थित वाटिका चौक से दिल्ली-जयपुर हाईवे तक सड़क का सुधार होगा तथा इसके ऊपर एलिवेटेड कॉरिडोर बनेगा।

दो साल में प्रोजेक्ट होगा पूरा, 750 करोड़ रुपये का आएगा खर्च

इसके साथ ही वाटिका चौक पर इंटरचेंज बनाकर गुरुग्राम -सोहना ऐलिवेटेड हाईवे (Gurugram-Sohna Elevated Highway) से दिल्ली-जयपुर तथा द्वारका एक्सप्रेस से कनेक्टिविटी दी जाएगी। इससे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर पहुंचना आसान हो जाएगा। प्रोजेक्ट पर इसी साल काम शरू हो जाएगा। दो साल में प्रोजेक्ट पूरा होगा और इस पर 750 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

बता दें कि फिलहाल इस पूरी सड़क पर चार जगह ट्रैफिक सिग्ननल है। इसके अलावा ट्रैफिक लोड ज्यादा होने से भी ट्रैफिक जाम लग रहा है। द्वारका एक्सप्रेस-वे (Dwarka Expressway) और दिल्ली-जयपुर हाईवे (Delhi-Jaipur Highway) से एसपीआर की कनेक्टिविटी तो हो गई है, लेकिन आगे वाटिका चौक पर गुरुग्राम-सोहना हाईवे एलिवेटेड होने के कारण यह कनेक्ट नहीं है। सोहना एलिवेटेड हाईवे पर पहुंचने के लिए पहले सुभाष चौक जाना पड़ता है।

तीन चौराहों पर घटेगा दबाव

नए एलिवेटेड कॉरिडोर से शहर के वाटिका चौक, सुभाष चौक और राजीव चौक पर ट्रैफिक का दबाव घट जाएगा। वाहन नए कॉरिडोर से अपने गंतव्य तक आसानी से पहुंच सकेंगे।

एलिवेटेड कारिडोर में दोतरफा यातायात की सुविधा के लिए छह लेन का मुख्य कैरिजवे और दोनों तरफ तीन लेन की सर्विस रोड का प्रविधान होगा। इसके अतिरिक्त सर्विस रोड के दोनों तरफ तीन मीटर चौड़े फुटपाथ और 2.5 मीटर चौड़े साइकिल ट्रैक के साथ-साथ ग्रीन बेल्ट का विकास किया जाएगा।

एसपीआर की होगी मरम्मत

सदर्न पेरिफेरल रोड (एसपीआर) की वाटिका चौक से दिल्ली-जयपुर हाईवे तक मरम्मत की जाएगी। सड़क की मरम्मत पर 9.65 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सड़क का सुधार होने के बाद ट्रैफिक जाम की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है।

वाटिका चौक से दिल्ली-जयपुर हाईवे तक एलिवेटेड कारिडोर बनाने के लिए सलाहकार नियुक्त किया जाएगा। इसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रोजेक्ट पर 750 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

ग्रेटर नोएडा में 100 करोड़ की अवैध संपत्ति पर गरजा बुलडोजर, भूमाफिया से कब्जा मुक्त हुई जमीन

परिवहन विशेष न्यूज

ग्रेटर नोएडा में प्रशासन की ओर से बड़ी कार्रवाई की गई है। प्रशासन की टीम ने भूमाफिया की सौ करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति पर बुलडोजर चला दिया है। वहीं प्रशासन की इस कार्रवाई से हड़कंप मचा हुआ है। बताया गया कि भूमाफिया के कब्जे से करीब सौ करोड़ रुपये की जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया है। आगे विस्तार से पढ़िए पूरी खबर।

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में ईकोटेक एक कोतवाली क्षेत्र के सिकंद्रापुर में काटी जा रही अवैध कॉलोनी पर बृहस्पतिवार को जिला प्रशासन का बुलडोजर चला दिया।

भूमाफिया से कब्जा मुक्त कराई जमीन

एडीएम न्यायिक भैर पाल सिंह की अगुवाई में पुलिस प्रशासन की टीम जमीन को कब्जा मुक्त कराने पहुंची। करीब सौ करोड़ रुपये की जमीन को प्रशासन ने भूमाफिया से कब्जा मुक्त कराया है।

काटी जा रही थी अवैध कॉलोनी

एडीएम न्यायिक ने बताया कि सिकंद्रापुर गांव में अवैध कॉलोनी काटी जा रही थी। भूमाफिया करीब सौ करोड़ रुपये की जमीन पर अवैध तरीके से कॉलोनी काट रहे थे। पुलिस प्रशासन की टीम ने कब्जा मुक्त करा दिया है।

प्रशासन को बार-बार मिल रही थी शिकायत

उन्होंने बताया कि जमीन डूब क्षेत्र में थी। शिकायत मिलने पर लेखपाल जांच करने के लिए पहुंचे थे। जांच में पाया गया कि जमीन राज्य सरकार की सीलिंग भूमि है। जहां लोटस व वेदा नाम पर भूमाफिया फार्म हाउस बनाकर अवैध निर्माण कर रहे थे।

टीम को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा

वहीं, बृहस्पतिवार को छह जेसीबी माशीन के साथ प्रशासनिक अमला पुलिस बल के साथ जमीन को कब्जा मुक्त कराने पहुंचा। इस दौरान प्रशासन की टीम को लोगों के विरोध का भी सामना करना पड़ा।

कार्रवाई के दौरान ये अधिकारी रहे मौजूद

एडीएम न्यायिक ने बताया कि डूब क्षेत्र में निर्माण नहीं किया जा सकता। डूब क्षेत्र में अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। कब्जा मुक्त कराने के दौरान उप जिलाधिकारी चारूल यादव, तहसीलदार अजय कुमार समेत अन्य अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

जरा संभलकर! पीएम मोदी रविवार को आएंगे गाजियाबाद, कई रास्तों पर रहेगा रूट डायवर्जन; पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

परिवहन विशेष न्यूज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को नमो भारत ट्रेन के साहिबाबाद से आनंद विहार की शुरुआत करेंगे। पीएम के कार्यक्रम को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने डायवर्जन प्लान जारी किया है। मोहन नगर से लिंक रोड पर यूपी गेट तक सभी तरह के व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। हिंडन एयरफोर्स स्टेशन गोल चक्कर और वजीराबाद रोड पर करन गेट से एयरफोर्स गोलचक्कर के बीच वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी।

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को नमो भारत ट्रेन (Namo Bharat Train) के साहिबाबाद से आनंद विहार की शुरुआत करने के लिए आएंगे। पीएम के कार्यक्रम को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस (Ghaziabad Traffic Police) ने डायवर्जन प्लान जारी किया है।

रविवार सुबह सात बजे से मोहन नगर से लिंक रोड पर यूपी गेट तक सभी तरह के व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। मोहन नगर से हिंडन एयरफोर्स स्टेशन गोल चक्कर और वजीराबाद रोड पर करन गेट से एयरफोर्स गोलचक्कर के बीच भी व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी।

यह डायवर्जन PM मोदी का कार्यक्रम समाप्त होने तक लागू

नागद्वार से हिंडन एयरफोर्स गोल चक्कर के बीच भी व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। यह डायवर्जन प्रधानमंत्री का कार्यक्रम समाप्त होने तक लागू रहेगा। प्रधानमंत्री के शहर में आगमन के दौरान हिंडन एयरफोर्स गोलचक्कर से वैशाली मेट्रो स्टेशन के बीच सभी तरह के वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद रहेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, फाइल फोटो

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने पीएम के कार्यक्रम को देखते हुए कानून-व्यवस्था के लिए बीएनएस की धारा 163 लागू की है। पुलिस ने कोतवाली, मधुबन बापूधाम, नंदग्राम, लिंक रोड, साहिबाबाद, इंदिरापुरम, सिहानी गेट और कौशांबी थानाक्षेत्र में ड्रोन उड़ाने पर पाबंदी लगाई है। इन आठ थानाक्षेत्रों को नो ड्रोन फ्लाई जोन घोषित किया गया है।

पुलिस और सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने की थी बैठक

दिल्ली और आसपास की सीमाओं पर 24 घंटे सुरक्षा सख्त कर दी गई है। बृहस्पतिवार को सुबह एसपीजी के अधिकारियों ने गाजियाबाद पुलिस, जिलाधिकारी, नगर आयुक्त, खुफिया विभाग।

पीडब्ल्यूडी, जीडीए, एनसीआरटीसी व केंद्र सरकार के अन्य विभाग के अधिकारियों के साथ पहले हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर बैठक की। इसके बाद नमो भारत स्टेशन साहिबाबाद पर दोपहर तक बैठक की गई। कई अधिकारी क्षेत्र में निरीक्षक के लिए चले गए।

हिंडन एयरफोर्स स्टेशन (Hindon Air Force Station) से साहिबाबाद नमो भारत स्टेशन साहिबाबाद आएंगे। इस दौरान सड़क पर दुकानों के आगे किए गए अतिक्रमण को हटाने का काम भी संबंधित विभाग के कर्मचारियों ने शुरू कर दिया है

ड्रोन संचालन करने के लिए लेनी होगी अनुमति

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मीडियाकर्मी या अन्य व्यक्ति एवं संगठन को प्रतिबंधित क्षेत्र में ड्रोन से फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी करनी है तो संबंधित थाने को ड्रोन एवं ड्रोन ऑपरेटर की जानकारी देकर डीसीपी से अनुमति लेनी होगी।

आखिर क्यों नहीं थम रहा रुपये में गिरावट का सिलसिला

निर्यात की तुलना में आयात में वृद्धि के कारण व्यापार घाटा बढ़ने से विदेशी मुद्रा का बहिर्वाह बढ़ता है, जिससे रुपया कमजोर होता है। कच्चे तेल और सोने के बढ़ते आयात के कारण 2022 में भारत का रिकॉर्ड व्यापार घाटा रुपये के मूल्यह्रास को बढ़ाता है। भारतीय रुपये में गिरावट बाहरी क्षेत्र की कमज़ोरियों के बीच मुद्रा स्थिरता बनाए रखने की चुनौतियों को रेखांकित करती है। मुद्रा मूल्य में उतार-चढ़ाव वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और पूंजी बहिर्वाह के साथ-साथ राजकोषीय घाटे जैसे घरेलू कारकों से उत्पन्न होते हैं। भारत के बाहरी लचीलेपन को बढ़ाने और इसकी अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए प्रभावी नीतिगत उपाय महत्त्वपूर्ण हैं।

–डॉ सत्यवान सौरभ

सितंबर 2024 के शेयर शिखर के बाद निरंतर बहिर्वाह ने रुपये को कमज़ोर कर दिया क्योंकि निवेशक अमेरिकी ब्याज दरों में वृद्धि की अटकलों के बीच सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर चले गए। उच्च व्यापार घाटे जैसे व्यापार घाटे आयात पर बाहरी निर्भरता को उजागर करते हैं, विशेष रूप से ऊर्जा के लिए, रुपये की कमज़ोरी के दौरान चालू खाता घाटा बढ़ाते हैं। रुपये के अवमूल्यन के साथ भारत का कच्चे तेल का आयात बिल बढ़ गया, जिससे 2024 का व्यापार घाटा बढ़कर $75 बिलियन के करीब पहुँच गया।

टैरिफ़ की धमकियाँ और ब्रिक्स मुद्रा विवाद जैसी वैश्विक घटनाएँ भारत के बाहरी व्यापार और निवेश के लिए अनिश्चितताएँ पैदा करके अस्थिरता को बढ़ाती हैं। ब्रिक्स देशों की मुद्रा योजनाओं के खिलाफ़ अमेरिकी राष्ट्रपति की 2024 टैरिफ़ चेतावनी ने बाज़ार में बिकवाली को बढ़ावा दिया, जिससे भारत की बाहरी स्थिरता कमज़ोर हुई। रुपये को स्थिर करने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार पर भारी निर्भरता निरंतर वैश्विक बाज़ार अशांति के दौरान दीर्घकालिक मौद्रिक लचीलेपन को प्रतिबंधित करती है।

रुपये को वापस 85.53 पर लाने के लिए दिसम्बर 2024 में एक ही तिमाही में $20 बिलियन से अधिक के भंडार को समाप्त कर दिया। कमज़ोर रुपया घरेलू मौद्रिक नीतियों को प्रतिबंधित करता है, महंगे आयातों के माध्यम से मुद्रास्फीति को बढ़ाता है जबकि विकास सम्बंधी चिंताओं को दूर करने के लिए राजकोषीय स्थान को कम करता है। दिसम्बर 2024 में कच्चे तेल के आयात की लागत 15% बढ़ गई, जिससे नीति निर्माताओं पर मुद्रा प्रबंधन और राजकोषीय विस्तार रणनीतियों को प्रभावी ढंग से संतुलित करने का दबाव पड़ा।

टैरिफ या प्रतिबंध जैसे संरक्षणवादी व्यापार उपाय, व्यापार संतुलन को बाधित करके मुद्रा स्थिरता को कमज़ोर कर सकते हैं। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच राजनीतिक अस्थिरता या संघर्ष अस्थिरता पैदा करते हैं, जिससे सुरक्षित-पनाहगाह डॉलर की मांग बढ़ती है और उभरते बाजारों की मुद्राएँ कमज़ोर होती हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया, जिससे भारत के आयात बिल पर दबाव पड़ा और रुपये का मूल्य कम हुआ। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में सख्त मौद्रिक नीतियों के कारण भारत से पूंजी का बहिर्वाह होता है, जिससे रुपये पर दबाव पड़ता है।

2022-23 में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की दरों में बढ़ोतरी के कारण विदेशी पोर्टफोलियो का बहिर्वाह हुआ, जिससे रुपया कमज़ोर हुआ।

निर्यात की तुलना में आयात में वृद्धि के कारण व्यापार घाटा बढ़ने से विदेशी मुद्रा का बहिर्वाह बढ़ता है, जिससे रुपया कमजोर होता है। कच्चे तेल और सोने के बढ़ते आयात के कारण 2022 में भारत का रिकॉर्ड व्यापार घाटा रुपये के मूल्यह्रास को बढ़ाता है। उच्च घरेलू मुद्रास्फीति मुद्रा मूल्य को कम करती है, जिससे निर्यात कम प्रतिस्पर्धी हो जाता है और आयात महंगा हो जाता है। कच्चे तेल जैसे अलोचदार आयातों की बढ़ती कीमतों ने भारत के आयात बिलों को बढ़ा दिया, जिससे 2023 में रुपया कमजोर हो गया। घरेलू और विदेशी निवेश में गिरावट कमजोर आर्थिक विकास का संकेत देती है, जिससे मुद्रा प्रवाह हतोत्साहित होता है। 2024 में, कॉर्पोरेट प्रदर्शन में कमी और स्टॉक वैल्यूएशन में वृद्धि के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेश बहिर्वाह हुआ। मुद्रा को स्थिर करने के लिए केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप विदेशी मुद्रा भंडार द्वारा सीमित हैं और केवल अस्थायी राहत प्रदान कर सकते हैं। दिसम्बर 2024 में आरबीआई के देर से हस्तक्षेप ने रुपये को अस्थायी रूप से 85.53 प्रति डॉलर पर स्थिर करने में कामयाबी हासिल की। राजकोषीय रूप से विवश सरकार बाहरी झटकों को प्रबंधित करने की अपनी क्षमता को कम करती है, जिससे मुद्रा स्थिरता में विश्वास कमजोर होता है। महामारी के दौरान भारत के रिकॉर्ड राजकोषीय घाटे ने बाहरी लचीलेपन को बढ़ावा देने के लिए सरकारी उपायों को सीमित कर दिया। मुद्रा नीतियों पर सरकार का स्पष्ट रुख निवेशकों का विश्वास बढ़ाता है और सट्टा दबाव कम करता है। आरबीआई गवर्नर द्वारा 2024 में डी-डॉलराइजेशन को खारिज करने से बाज़ार आश्वस्त हुआ, जिससे रुपये के मूल्यह्रास की चिंताएँ अस्थायी रूप से कम हो गईं। ।

बाह्य लचीलेपन को मज़बूत करने के उपाय हैं, निर्यात को बढ़ावा देना और विदेशी मुद्रा आय बढ़ाने और व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए मूल्यवर्धित विनिर्माण और सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करना। फार्मास्यूटिकल्स और आईटी जैसे क्षेत्रों को मज़बूत करने से व्यापार घाटे को कम करने और रुपये को स्थिर करने में मदद मिल सकती है। विविध आपूर्तिकर्ताओं के साथ दीर्घकालिक समझौते करके अस्थिर कच्चे तेल और आवश्यक आयात पर निर्भरता कम करें। रूस और मध्य पूर्वी देशों से कच्चे तेल के आयात का विस्तार करने से 2023 में औसत तेल आयात लागत कम हो गई। प्रभावी मुद्रा स्थिरीकरण के लिए सॉवरेन वेल्थ फंड और सोने के संचय के माध्यम से मज़बूत भंडार बनाएँ।

रिज़र्व बैंक के अनुसार 2021 में $600 बिलियन के रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भंडार ने महामारी के दौरान अस्थिरता को प्रबंधित करने में मदद की। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को निपटाने, अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने और विनिमय दर जोखिमों को कम करने के लिए समझौतों में शामिल हों। भारत-रूस रुपया-रूबल व्यापार तंत्र ने रूस-यूक्रेन संकट के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम किया। मुद्रा जोखिमों से बचने के लिए अल्पकालिक बाहरी ऋ्रण को कम करते हुए कम लागत और लंबी अवधि के उधार को प्राथमिकता दें।

भारत द्वारा सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड जारी करने में वृद्धि ने 2023 में पुनर्भुगतान अस्थिरता को कम करने के साथ स्थिर विदेशी निवेश आकर्षित करने में मदद की। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत के आर्थिक लचीलेपन के लिए एक मज़बूत बाहरी क्षेत्र महत्त्वपूर्ण है। निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देकर, विवेकपूर्ण राजकोषीय नीति सुनिश्चित करके, विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता लाकर और रुपये में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर, भारत मुद्रा अस्थिरता को कम कर सकता है। संरचनात्मक सुधारों और वैश्विक आर्थिक एकीकरण पर ज़ोर देने वाली एक दूरदर्शी रणनीति दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करेगी और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति को मज़बूत करेगी।

होंडा एलिवेट ब्लैक एडिशन 7 जनवरी को होगी लॉन्च, नया डिजाइन समेत मिलेंगे नए फीचर्स

परिवहन विशेष न्यूज

होंडा एलिवेट ब्लैक एडिशन को हाल ही में टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया था जिसके बाद से इसके जल्द लॉन्च होनो की उम्मीद है। अब होंडा एविलेट ब्लैक एडिशन के लॉन्च डेट कंफर्म हो गई है जो 7 जनवरी 2025 है। आइए जानते हैं कि Honda Elevate Black Edition में क्या नया डिजाइन और नए फीचर्स देखने के लिए मिलेगें।

नई दिल्ली। Honda Elevate का ब्लैक एडिशन 7 जनवरी को लॉन्च होने जा रहा है। हाल ही में इस SUV को प्रोडक्शन रेडी फॉर्म में टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया था, जिसके बाद से इसके जल्द लॉन्च होने के कयास लगाए जा रहे थे। होंडा एलिवेट ब्लैक एडिशन को दो वेरिएंट में पेश किया जा सकता है, जो एलिवेट ब्लैक एडिशन और एलिवेट सिग्नेचर ब्लैक एडिशन हो सकता है। आइए जानते हैं कि Honda Elevate Black Edition में क्या कुछ नया मिलने वाला है।

क्या मिलेगा नया

ऑटोकार की एक रिपोर्ट के मुताबिक, Honda Elevate Black Edition में ग्लॉस ब्लैक पेंटेड एलॉय व्हील्स के साथ क्रिस्टल ब्लैक पर्ल एक्सटीरियर पेंट, लेदरेट सीट्स के साथ ऑल-ब्लैक इंटीरियर, ऊपरी ग्रिल पर क्रोम फिनिश और रूफ रेल्स पर सिल्वर फिनिश देखने के लिए मिलेगा। इसके दरवाजों के निचले हिस्से पर भी सिल्वर फिनिश देखने के लिए मिलेगी।

एक्सटीरियर और इंटीरियर

एलिवेट सिग्नेचर ब्लैक एडिशन में एक्सटीरियर, इंटीरियर और एलॉय व्हील्स के लिए एक जैसा सेटअप देखने के लिए मिलेगा। साथ ही ब्लैक पेंटेड अपर ग्रिल, रूफ रेल्स पर ब्लैक फिनिश, फ्रंट और रियर फॉक्स स्किड प्लेट्स पर ब्लैक फिनिश, दरवाजों के निचले हिस्से पर ब्लैक फिनिश, फ्रंट फेंडर पर एक्स्ट्रा लोगो भी देखने के लिए मिलेगा। इसके अलावा, ब्लैक एडिशन में 7 कलर इंटीरियर एम्बिएंट लाइटिंग भी देखने के लिए मिलेगा।

सिंगल पैन सनरूफ और ADAS मिलेगा

Honda Elevate के ब्लैक और एलीवेट सिग्नेचर ब्लैक एडिशन टॉप वेरिएंट पर बेस्ड होने वाले हैं, जिसकी सीधा मतलब है कि यह फीचर्स के मामले में पूरी तरह से लैस रहने वाले हैं। ब्लैक एडिशन में सिंगल पैन सनरूफ और ADAS भी देखने के लिए मिलेगा।

कैसा होगा इंजन

Honda Elevate Black Edition में किसी तरह का कोई मैकेनिकल बदलाव नहीं दिखने की उम्मीद है। इसमें पहले की तरह ही 1.5-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन देखने के लिए मिलेगा, जो मैनुअल या CVT ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से जुड़ा हुआ होगा। वहीं, यह इंजन पहले की तरह ही पावर और टॉर्क जनरेट करेगा।

एक्सपेक्टेड कीमत

Honda Elevate की एक्स-शोरूम कीमत 11.69 लाख रुपये से लेकर 15.41 लाख रुपये के बीच है। जिसे देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि ब्लैक एडिशन की कीमत मौजूदा मॉडल से 75,000 रुपये से ज्यादा हो सकती है। भारतीय बाजार में इसका मुकाबला Creta, Seltos, Grand Vitara, Kushaq और Taigun से देखने के लिए मिलेगा।

इन 10 तस्वीरों में देखिए कैसी है हुंडई क्रेटा इलेक्ट्रिक, लुक से लेकर फीचर तक पूरी डिटेल

परिवहन विशेष न्यूज

Hyundai Creta Electric के तकरीबन सभी फीचर्स को भारत में पेश कर दिया गया है। इसके साथ ही हुंडई क्रेटा इलेक्ट्रिक के कई तस्वीरों को भी जारी कर दिया गया है। इसे भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 के पहले दिन 17 जनवरी को लॉन्च किया जाएगा। आइए 10 तस्वीरों में देखते हैं आने वाली क्रेटा ईवी के फीचर्स के बारे में।

नई दिल्ली। Hyundai Creta Electric को पेश किया गया है। यह भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में मुकाबला करेगी। इसका इंतजार लोग लंबे समय से कर रहे थे। कोरियाई ऑटोमेकर हुंडई ने इसे सबसे सस्ती सस्ती ऑल-इलेक्ट्रिक के रूप में पेश करने के लिए तैयार किया है। क्रेटा का इलेक्ट्रिक वर्जन इसके ICE से काफी अलग दिखाई देती है। आइए 10 तस्वीरों में क्रेटा इलेक्ट्रिक के डिजाइन पर एक नजर डालते हैं।

Hyundai Creta Electric के फ्रंट फेसिया को नया डिजाइन दिया गया है। इसमें पिक्सेलेटेड पैटर्न को सपोर्ट करने वाला क्लोज ग्रिल दी गई है। इसके बीच में एक चार्जिंग फ्लैप दिया गया है, जिस पर हुंडई का लोगो लगाया गया है। क्लोज ग्रिल के नीचे अपडेटेड बम्पर डिज़ाइन दी गई है, जिसमें एक्टिव एयर फ्लैप दिया गया है, जो बैटरी कूलिंग के लिए एयर फ्लो को ऑप्टिमाइज करेंगे बल्कि इलेक्ट्रिक एसयूवी की एयरोडायनामिक कैपेसिटी को भी बढ़ाएंगे।

Hyundai Creta Electric

इसमें एल-आकार के कनेक्टेड एलईडी डीआरएल और हेडलाइट हाउसिंग दिया गया है, जो आपको इसके ICE वर्जन में भी दिया गया है।

क्रेटा इलेक्ट्रिक में स्टैंडर्ड क्रेटा की ही तरह की विंडो लाइन और डोर्स के नीचे सिल्वर स्कर्टिंग दी गई है। इसके रूफ और पिलर काले रंग के दिए गए है और OVRM (बाहरी रियर व्यू मिरर) में भी इसी ब्लैक कलर को दिया गया है। इसमें एयरोडायनामिक स्टाइल वाले 17-इंच के अलॉय व्हील का इस्तेमाल किया गया है।

क्रेटा इलेक्ट्रिक का रियर डिजाइन ICE वर्जन की तरह रखा गया है। इसमें उल्टे L-आकार की कनेक्टेड LED टेल लाइट और रियर बंपर जैसा डिजाइन दिया गया है। क्रेटा ईवी के बंपर में सिल्वर स्किड प्लेट भी दी गई है।

Hyundai Creta Electric में ICE वर्जन की तरह ही डुअल-टोन ब्लैक और व्हाइट केबिन थीम दिया गया है। इसका डैशबोर्ड ICE मॉडल की तरह ही दिखता है, लेकिन इसका स्टीयरिंग व्हील बिल्कुल नया दिया गया है, यह नया 3-स्पोक यूनिट है और यह हुंडई आयनिक 5 जैसा दिखता है।

इलेक्ट्रिक वर्जन के लिए इसके कंट्रोल पैनल में बदलाव किया गया है। इसमें लोअर सेंटर कंसोल अलग से दिया गया है।

इसके स्टीयरिंग व्हील के पीछे स्टॉक-टाइप ड्राइव मोड सिलेक्टर दिया गया है, जैसा आपने हुंडई आयनिक 5 में देखा होगा। Creta EV में डैशबोर्ड पर वही डुअल स्क्रीन सेटअप दिया गया है जो इसके स्टैंडर्ड वर्जन में देखने के लिए मिलता है।

क्रेटा इलेक्ट्रिक में पैनोरमिक सनरूफ और V2L (व्हीकल-टू-लोड) चार्जिंग जैसे प्रीमियम फीचर्स दिए गए हैं। इस फीचर की मदद से आप कार की बैटरी का इस्तेमाल करके बाहरी उपकरणों को पावर दे सकेंगे।

Hyundai Creta Electric में दो बैटरी पैक ऑप्शन के साथ पेश किया जा रहा है। क्रेटा इलेक्ट्रिक में 42 kWh और 51.4 kWh बैटरी पैक ऑप्शन दिया जाएगा। कंपनी की तरफ से दावा किया जा रहा है कि इसमें लगी 42 kWh वाली बैटरी फुल चार्ज होने के बाद 390 km तक की रेंज और 51.4 kWh वाला बैटरी पैक चार्ज होने के बाद 473 km तक का रेंज देगा।

कंपनी की तरफ से कहा जा रहा है कि डीसी फास्ट चार्जर से क्रेटा इलेक्ट्रिक के बैटरी पैक को 58 मिनट में 10-80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। वहीं, इसे 11 किलोवाट एसी चार्जर से बैटरी को 4 घंटे में 10 प्रतिशत से फुल चार्ज किया जा सकता है।

एक्सपेक्टेड कीमत

ऑटोमेकर की तरफ से अभी तर इसकी कीमतों का खुलासा नहीं किया गया है। उम्मीद लगाई जा रही है कि Hyundai Creta Electric की एक्स-शोरूम कीमत 20 लाख रुपये से शुरू हो सकती है। भारतीय बाजार में इसका मुकाबला Tata Curvv EV, Mahindra BE 6, MG ZS EV और जल्द ही लॉन्च होने वाली Maruti e Vitara से देखने के लिए मिलेगा।

निसान के लिए दिसंबर 2024 रहा सबसे अच्छा, होलसेल में की कुल 11,676 कारों की बिक्री

परिवहन विशेष न्यूज

दिसंबर 2024 में 9558 यूनिट्स का निर्यात किया गया जो सालभर पहले के 5561 यूनिट्स की तुलना में 72 प्रतिशत ज्यादा है। चालू वित्त वर्ष के शुरुआती नौ महीनों में कुल 51764 यूनिट्स का निर्यात किया गया जो पिछले वित्त वर्ष की समीक्षाधीन तिमाही के 31667 की तुलना में 63 प्रतिशत ज्यादा है। अक्टूबर 2024 में लॉन्च हुई नई निसान मैग्नाइट एसयूवी के लिए 10 हजार से ज्यादा बुकिंग मिली।

नई दिल्ली। निसान मोटर इंडिया ने नए साल की शुरुआत पर बड़ी उपलब्धि पाने का एलान किया है। कंपनी ने बताया है कि नई निसान मैग्नाइट के लिए बुकिंग का आंकड़ा 10 हजार यूनिट से ऊपर पहुंच गया है। साथ ही, जनवरी से दिसंबर 2024 के बीच कंपनी ने कुल 91,184 यूनिट्स की बिक्री की। इस उपलब्धि के साथ कंपनी ने एक और रिकॉर्ड बनाया है। दिसंबर, 2024 में कंपनी ने होलसेल में कुल 11,676 यूनिट्स की बिक्री की। प्रदर्शन की दृष्टि से कंपनी के लिए यह सर्वश्रेष्ठ दिसंबर रहा। इन आंकड़ों से घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निसान कारों की जबर्दस्त मांग का पता चलता है।

दिसंबर 2024 में बिक्री का आकड़ा

दिसंबर में निर्यात होलसेल का आंकड़ा 9,558 यूनिट्स और घरेलू बिक्री का आंकड़ा 2,118 यूनिट्स का रहा। निर्यात का आंकड़ा दिसंबर, 2023 के 5,561 यूनिट्स की तुलना में 72 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं नवंबर, 2024 के 6,698 यूनिट्स की तुलना में यह 43 प्रतिशत ज्यादा है। चालू वित्त वर्ष के शुरुआती नौ महीनों में कंपनी का निर्यात पिछले वित्त वर्ष की समीक्षाधीन तिमाही की तुलना में 63 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी का यह जबर्दस्त प्रदर्शन निसान की कारों के प्रति लोगों के बढ़ते भरोसे और उत्साह का प्रमाण है।

निसान का निर्यात कुल 65 से अधिक देशों में पहुंचा

'वन कार, वन वर्ल्ड' की बढ़ती मांग के बीच भारत में निर्मित नई निसान मैग्नाइट ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निसान के विस्तार को गति दी है। इसका निर्यात 45 से ज्यादा नए बाजारों में हो रहा है, जिससे कंपनी का निर्यात कुल 65 से अधिक देशों में पहुंच गया है। इनमें जल्द ही जुड़ने जा रहे लेफ्ट-हैंड ड्राइव (एलएचडी) बाजार भी शामिल हैं।

अपनी 'वन कार, वन वर्ल्ड' की फिलॉसफी पर आगे बढ़ते हुए निसान मोटर इंडिया ने हाल ही में लॉन्च की गई एसयूवी नई निसान मैग्नाइट का निर्यात दक्षिण अफ्रीका में शुरू किया है। बीते साल अक्टूबर में नई निसान मैग्नाइट की लॉन्चिंग के समय की गई अपनी घोषणा के ही अनुरूप कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए चेन्नई स्थित अपने अलायंस जेवी प्लांट से नए मॉडल को रोलआउट करना शुरू किया है। दक्षिण अफ्रीका पहला देश बना है, जहां नई निसान मैग्नाइट निर्यात की गई है।

2,700 से ज्यादा नई मैग्नाइट एसयूवी का निर्यात

भारत में हुई अंतरराष्ट्रीय लॉन्चिंग के बाद महीनेभर के भीतर चेन्नई बंदरगाह से 2,700 से ज्यादा नई मैग्नाइट एसयूवी का निर्यात किया गया है। नई निसान मैग्नाइट निसान के 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' विजन का प्रमाण है। दिसंबर, 2020 में अपनी लॉन्चिंग के बाद से अब तक 1,50,000 से ज्यादा यूनिट्स की कुल बिक्री के साथ मैग्नाइट ने भारतीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर गहरा प्रभाव डाला है।

यह आंकड़ा निसान के लिए महत्वपूर्ण निर्यात हब के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करने वाला है। नई निसान मैग्नाइट के इंटीरियर एवं एक्सटीरियर में बोल्ड एवं स्टाइलिश डिजाइन है। इसमें 20 से ज्यादा फर्स्ट एवं बेस्ट-इन-सेगमेंट फीचर्स और कुल 55 से ज्यादा सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं।

लॉन्च होने से पहले मारुति ने दिखाई ई विटारा की झलक, भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में होगी पेश

परिवहन विशेष न्यूज

मारुति ई विटारा का एक और टीजर कंपनी ने जारी किया है। इस टीजर में मारुति ई विटारा के कई डिटेल्स देखने के लिए मिले हैं। ई-विटारा के नए टीजर में एक्सटीरियर और इंटीरियर की झलक कंपनी ने दिखाई है। e Vitara को भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में पेश किया जाएगा। आइए जानते हैं कि Maruti e Vitara किन फीचर्स के साथ आ सकती है।

नई दिल्ली। मारुति ई विटारा को ऑटोमेकर भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में पेश करेगी। ऑटो एक्सपो 2025 में इसे पेश करने से पहले कंपनी ने इसका एक टीजर जारी किया है। इस टीजर में मारुति के पहले इलेक्ट्रिक कार के एक्सटीरियर और इंटीरियर के डिजाइन की झलक देखने के लिए मिला है। यह हार्टेक्ट-ई प्लेटफॉर्म पर बेस्ड है। आइए जानते हैं कि मारुति ई विटारा के नए टीजर में क्या नया देखने के लिए मिला है।

टीजर में क्या दिखा?

मारुति ई विटारा के नए टीजर में इसके बाहरी डिजाइन की एक झलक देखने के लिए मिली है। इसमें आगे की तरफ Y-साइज की एलईडी डीआरएल और पीछे की तरफ 3-पीस लाइटिंग एलिमेंट के साथ कनेक्टेड एलईडी टेल लाइट देखने के लिए मिले हैं। यह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं दिखाई देती है, लेकिन टीजर को देखकर पता चलता है कि इसमें एक बड़ा फ्रंट बंपर है, जिसमें फॉग लाइट दी गई है। इसके साथ ही टीजर ई-विटारा के टीजर में इसका केबिन भी दिखाई दिया है, जिसमें अलग-अलग टेरेन मोड के लिए रोटरी डायल कंट्रोल वाला निचला सेंटर कंसोल दिया गया है। टीज की गई ई-विटारा ग्लोबल स्पेक वर्जन में पाए जाने वाले मॉडल जैसा ही दिखता है।

एक्सपेक्टेड फीचर्स

मारुति की तरफ से अभी तक मारुति ई विटारा के फीचर्स का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन जो ग्लोबल स्पेक वाले मॉडल को दो-टोन ब्लैक और ब्राउन केबिन थीम दिया गया है। स्टीयरिंग व्हील को 2-स्पोक यूनिट दिया गया है, जबकि एसी वेंट वर्टिकली एलाइन है और यह प्रीमियम लुक के लिए क्रोम से घिरे हैं। इसमें डुअल-स्क्रीन सेटअप दिया गया है, जिसमें से एक इंफोटेनमेंट के लिए तो दूसरा ड्राइवर डिस्प्ले के लिए है।

ई-विटारा में ऑटोमैटिक एसी, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट और वायरलेस फोन चार्जर जैसे फीचर्स मिलने की उम्मीद है। इसमें पैसेंजर की सेफ्टी के लिए 6 एयरबैग, एक 360-डिग्री कैमरा और एक इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक जैसे फीचर्स देखने के लिए मिल सकते हैं। इसमें एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (ADAS) फीचर्स भी मिल सकता है। ADAS फीचर के साथ आने वाली भारत में यह मारुति की पहली कार होगी।

किआ सिरोस की बुकिंग शुरू, जानिए कितने रुपये में कर सकते हैं बुक और कब मिलेगी गाड़ी

परिवहन विशेष न्यूज

साइरोस बुकिंग चालू 19 दिसंबर 2024 को पेश हुई किआ सिरोस की बुकिंग शुरू हो गई है। Kia Syros की बुकिंग आप ऑनलाइन और ऑफलाइन शोरूम जाकर करा सकते हैं। इसे 1 फरवरी 2025 को भारत में लॉन्च किया जाएगा। Syros को जल्द ही होने जा रहे भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में प्रदर्शित किया जाएगा। आइए जानते हैं कि Kia Syros की पूरी डिटेल।

नई दिल्ली। कोरियाई कार ऑटोमेकर किआ की नई SUV Kia Syros की बुकिंग शुरू हो गई है। किआ अपनी इस नई एसयूवी को भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में भी पेश किया जाएगा। इसकी कीमतों का खुलासा 1 फरवरी 2025 को किया जाएगा। वहीं, कीमतों का खुलासा होने के बाद इसकी डिलीवरी जल्द शुरू कर दी जाएगी। आइए जानते हैं कि आप Kia Syros की बुकिंग कितने रुपये से कर सकते हैं और यह कब आपको मिलेगी।

Kia Syros की बुकिंग और डिलीवरी

Kia Syros को 19 दिसंबर 2024 को एक कार्यक्रम के दौरान कंपनी ने पेश किया था। इसकी बुकिंग 3 जनवरी 2025 से शुरू हो गई है। इसकी बुकिंग आप ऑनलाइन या ऑफलाइन शोरूम जाकर कर सकते हैं। इसके लिए आपको 25 हजार रुपये का एडवांस पेमेंट देना होगा। जिसके बाद गाड़ी को आपके लिए बुक कर दिया जाएगा।

किआ सिरोस को 1 फरवरी 2025 को लॉन्च किया जाएगा। फरवरी में इसके लॉन्च होने के कुछ दिनों के बाद से ही ग्राहकों को डिलीवरी दी जाने की उम्मीद है।

Kia Syros एक्सटीरियर

इसमें सामने की तरफ LED DRLs के साथ वर्टिकल स्टैक्ड 3-पॉड हेडलाइट्स दिए गए हैं। इसके बॉक्सी SUV डिजाइन फ्लैगशिप ऑल-इलेक्ट्रिक EV9 के जैसा है। इसमें फ्लश डोर हैंडल और 17-इंच ड्यूल-टोन अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। वहीं, इसके पीछे की तरफ रूफ-माउंटेड स्पॉइलर और L-शेप्ड LED टेल लैंप दिए गए हैं।

Kia Syros इंटीरियर

इसका केबिन डुअल-टोन कलर थीम के साथ लाया गया है, जो वेरिएंट के आधार पर अलग-अलग है। इसके डैशबोर्ड पर AC वेंट प्लेसमेंट और 2-स्पोक स्टीयरिंग व्हील दिए गए हैं।

इसमें दो 12.3-इंच स्क्रीन (एक टचस्क्रीन के लिए और दूसरी डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले के लिए), एक डिजिटल AC कंट्रोल पैनल और आगे और पीछे की सीटें वेंटिलेटेड फीचर्स के साथ आती है।

Kia Syros में 8-स्पीकर वाला हरमन कार्डन साउंड सिस्टम, पैनोरमिक सनरूफ और 64-रंग की एम्बिएंट लाइटिंग दी गई है।

Kia Syros सेफ्टी फीचर्स

इसमें कई एडवांस सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं। Syros में इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, हिल स्टार्ट असिस्ट कंट्रोल, छह एयरबैग, व्हीकल स्टेबिलिटी मैनेजमेंट, ऑटो होल्ड के साथ इलेक्ट्रिक पार्किंग ब्रेक दी गई है।

इसमें किआ कनेक्ट 2.0 के साथ कनेक्टिविटी दी गई है, जो पैसेंजर की सेफ्टी के बढ़ाता है। इसमें IOS आपातकालीन सहायता, रियल टाइम डायगोनोस्टिक और चोरी हुए वाहन को ट्रैक करने के फीचर्स से लैस किया गया है।

इसमें पैसेंजर की सेफ्टी के लिए ADAS लेवल 2 सूट के 16 ऑटोनॉमस ड्राइविंग फीचर्स दिए गए हैं। इसे फॉरवर्ड कोलिजन अवॉइडेंस असिस्ट, लेन कीप असिस्ट, ब्लाइंड व्यू मॉनिटर के साथ 360 डिग्री कैमरा और स्टॉप एंड गो के साथ स्मार्ट क्रूज कंट्रोल जैसे फीचर्स से लैस किया गया है।

Kia Syros इंजन ऑप्शन

इसे दो इंजन ऑप्शन के साथ पेश किया गया है, जो निम्नलिखित है।

पहला इंजनः 1-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन है, जो 120 PS की पावर और 172 Nm का टॉर्क जनरेट करता है।

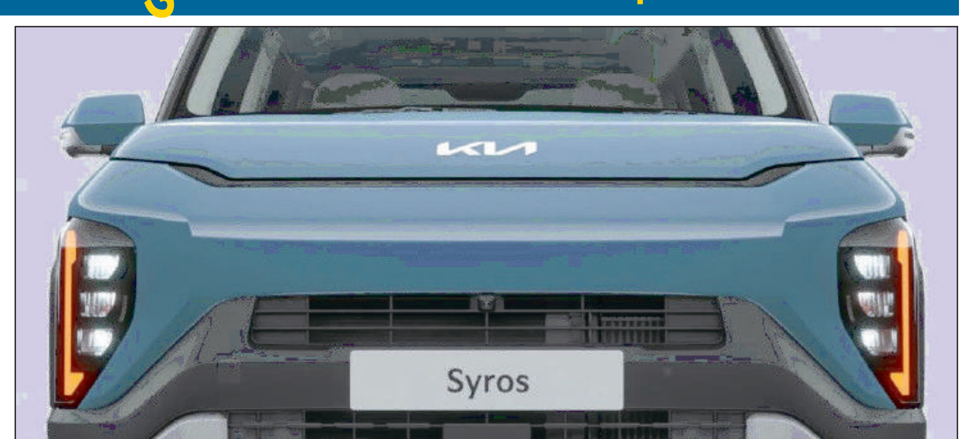

इसके इंजन को 6-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन (MT) या 7-स्पीड डुअल-क्लच ट्रांसमिशन (DCT) के साथ जोड़ा गया है।

दूसरा इंजनः 1.5-लीटर डीजल इंजन है, जो 116 PS की पावर और 250 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसके इंजन को 6-स्पीड MT या 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया है।

एक्सपेक्टेड कीमत

Kia Syros की एक्स-शोरूम कीमत करीब 9.7 लाख रुपये से 16.50 लाख रुपये तक होने की उम्मीद है। भारतीय बाजार में इसका मुकाबला Tata Nexon, Mahindra XUV 3XO, Hyundai Creta, Kia Seltos और Maruti Grand Vitara जैसी सबकॉम्पैक्ट और कॉम्पैक्ट SUV से देखने के लिए मिलेगा।

अखिल भारतीय नीट पीजी 2024 राज्य काउंसलिंग: उम्मीदवारों के लिए एक कठिन वर्ष

विजय गर्ग

यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा स्नातकोत्तर 2024 (एनईईटी-पीजी 2024) विवादास्पद रही है। अपने स्नातक समकक्ष (एनईईटी-यूजी 2024) की तरह, एनईईटी-पीजी 2024 भी विवादों से भरा था। बार-बार स्थगन और रद्दीकरण, परीक्षा पैटर्न में अचानक बदलाव, कई अदालती मामले, परीक्षा विसंगतियों के आरोप, नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) के खिलाफ पारदर्शिता की कमी के आरोप, अंकों को लेकर विवाद और कई मामलों में काउंसलिंग में देरी राज्यों के अनुसार, परीक्षा और इसका आयोजन देश भर में उम्मीदवारों के लिए तनाव और चिंता का कारण रहा है। विशेष रूप से तेलंगाना में उम्मीदवारों के लिए, काउंसलिंग प्रक्रिया को लेकर तनाव कई गुना बढ़ गया जब राज्य सरकार ने 28 अक्टूबर को सरकारी आदेश 148 (जीओ 148) के माध्यम से तेलंगाना मेडिकल कॉलेज (स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश) नियम, 2021 में संशोधन जारी किया।. जीओ ने उन छात्रों को तेलंगाना राज्य परामर्श के लिए उपस्थित होने से रोक दिया, जिन्होंने तेलंगाना के बाहर के राज्यों में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की, भले ही उन्होंने राज्य में एमबीबीएस की पढ़ाई की हो। तेलंगाना के उम्मीदवारों ने तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, जिसने अपना फैसला सुनाने तक काउंसलिंग पर रोक लगा दी। अंततः, जब उच्च न्यायालय ने 17 दिसंबर को जीओ 148 को रद्द करने का आदेश दिया, तो तेलंगाना राज्य सरकार उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ भारत के सर्वोच्च न्यायालय में चली गई। शीर्ष अदालत ने 20 दिसंबर को हाई कोर्ट द्वारा जारी आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया. उम्मीदवारों और तेलंगाना सरकार के बीच इन कानूनी खींचतान के बीच, राज्य काउंसलिंग प्रक्रिया में देरी हुई है और अभी तक शुरू नहीं हुई है। तेलंगाना में काउंसलिंग के लिए जिम्मेदार कलोजी नारायण राव यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज ने 30 दिसंबर को अंतिम मेरिट सूची जारी की। राज्य काउंसलिंग में

आखिरकार आगे बढ़ने के संकेत दिखने के साथ, उम्मीदवारों को नीट-पीजी 2024 के दौरान हुए तनाव की याद आ रही है। राज्य काउंसलिंग में देरी से अभ्यर्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ा पूरे वर्ष, विशेष रूप से सुनवाई के दौरान, तेलंगाना के एनईईटी-पीजी उम्मीदवारों के बीच राज्य काउंसलिंग के लिए उपस्थित नहीं हो पाने के कारण असहायता की भावना थी। "तेलंगाना के बहुत से उम्मीदवार राज्य काउंसलिंग के लिए उपस्थित होना चाहते थे क्योंकि वे अपने राज्य में अध्ययन करना चाहते थे, जो उनके लिए परिचित है। हममें से बहुत से लोग, नीट-पीजी अभ्यर्थी, भाषाई और सांस्कृतिक मतभेदों के कारण तेलंगाना छोड़ना नहीं चाहते थे उन्होंने कहा कि तेलंगाना के बाहर सीट चुनने से छात्रों को बहुत असुविधा होगी, खासकर उनकी निवास अवधि के दौरान। "हमें 48-घंटे की शिफ्ट करनी होगी, और भाषा संबंधी बाधा होने पर मरीजों के साथ बातचीत करना मुश्किल होगा। डॉक्टर होने के नाते यहां हमारी सुरक्षा भी दांव पर है. तेलंगाना में हमारी स्नातकोत्तर करने से यह सुनिश्चित होगा कि ऐसी समस्याएं कम से कम थोड़ी कम हो जाएंगी, और यहां तक कि हमारे माता-पिता भी बहुत अधिक चिंता करने से बच जाएंगे, "वह बताते हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि ऑल इंडिया काउंसलिंग के लिए अपर्याप्त रैंक और निजी मेडिकल कॉलेजों में महंगी फीस के कारण उन पर राज्य काउंसलिंग को प्राथमिकता देने के लिए दबाव डाला जा रहा है। हालाँकि, काउंसलिंग में देरी के कारण उन्हें कहीं जाने का मौका नहीं मिला। "छात्रों के वर्तमान बैच के साथ-साथ नीट पीजी 2024 के लिए बहुत सारे रिपीटर्स भी उपस्थित हो रहे हैं। ए-श्रेणी के निजी मेडिकल कॉलेजों में सीट फीस 50 लाख रुपये से अधिक बढ़ने के साथ, राज्य कोटा सीटें हैं हमारा सबसे सुरक्षित दांव. काउंसलिंग में लगातार हो रही देरी ने अभ्यर्थियों को, विशेषकर उन लोगों को, जिन्होंने बार-बार प्रयास किया है, असमंजस में डाल दिया," एक अन्य अभ्यर्थी का कहना है। नीट पीजी 2024 2016 बैच के एमबीबीएस स्नातक उम्मीदवारों के लिए दूसरा प्रयास था। भ्रम और पीड़ा का एक वर्ष पिछले साल नीट पीजी 2024 के बाद परेशानी के साथ, उम्मीदवारों का दावा है कि पूरे 2024 में वे जिस पीड़ा और भ्रम की भावना से गुजरे हैं वह किसी भी तरह की 'मानसिक यातना' नहीं थी। "परीक्षा को चार बार स्थगित किया गया था - नवीनतम स्थगन परीक्षा से कुछ घंटे पहले हुआ। हम परीक्षा से एक रात पहले सोने चले गए, अगले दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार थे - तभी परीक्षा स्थगित होने की खबर के साथ जाग गए," डॉ. अंकुश याद करते हैं। नीट पीजी 2024 को शुरू में 3 मार्च को आयोजित करने की घोषणा की गई थी, और फिर इसे जनवरी 2024 में 7 जुलाई को आयोजित किया गया था। हालांकि, एनबीईएमएस ने घोषणा की कि परीक्षा 23 जून को आगे बढ़ाई जाएगी, जिसे बाद में विरोध के बीच 11 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। नीट पीजी 2024 परीक्षा में कथित पेपर लीक के खिलाफ। अभ्यर्थियों की परेशानी यहीं खत्म नहीं हुई। उन्हें दो पालियों की परीक्षा से निपटने के लिए भी मजबूर किया गया - कुछ ऐसा जो मेडिकल परीक्षाओं के इतिहास में अनसुना था, एक कथित रूप से अपारदर्शी सामान्यीकरण सूत्र और गणना पद्धति, और इन मुद्दों पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई जो अभी तक किसी फैसले पर नहीं पहुंची है. "जब सर्वोच्च न्यायालय भी हमें अभी तक कोई राहत नहीं दे सका है, तो परीक्षा को शुरू से ही अधिक जटिल क्यों बनाया गया? डॉ. अंकुश अफसोस जताते हुए कहते हैं, "अलग-अलग मानकों के साथ दो परीक्षाओं के अंकों को निष्पक्ष तरीके से सामान्य करना असंभव है।" इसके अलावा, तेलंगाना में छात्र राज्य कोटा सीटों की ओर बढ़ रहे हैं, उन्होंने कहा कि राज्य काउंसलिंग राउंड में प्रतिस्पर्धा भी बहुत अधिक होगी। वह कहती हैं, "इस साल अच्छी रैंक पाने के बावजूद मुझे इस समय अपनी पसंद के कॉलेज और विभाग में सीट नहीं मिल पाएगी।" उन्होंने आगे कहा कि परीक्षा की तैयारी में बिताए गए दो साल का कोई फायदा नहीं हुआ।. हालाँकि, उम्मीदवारों को अभी भी उम्मीद है कि तेलंगाना में राज्य काउंसलिंग प्रक्रिया सुचारू रूप से चलेगी, क्योंकि उनका मानना है कि अब कुछ भी गलत नहीं होगा।

क्या वैज्ञानिक किसी मृत व्यक्ति के मस्तिष्क से यादें प्राप्त कर सकते हैं?

विजय गर्ग

स्मृति निर्माण मानव मस्तिष्क की सबसे जटिल प्रक्रियाओं में से एक है। विज्ञान समाचार जब किसी प्रियजन का निधन हो जाता है, तो उनके निजी सामान को परिवार के सदस्यों द्वारा संरक्षित किया जा सकता है, लेकिन उनकी यादों का क्या? क्या हम एक दिन किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसके मस्तिष्क से उसके विचारों, अनुभवों और जीवन के क्षणों को पुनः प्राप्त कर सकते हैं? हालाँकि यह विचार किसी विज्ञान कथा उपन्यास जैसा लगता है, तंत्रिका विज्ञानियों का मानना है कि इनमें से कुछ यादों तक आंशिक रूप से पहुँचने का एक तरीका हो सकता है - यद्यपि कठिन और जटिल। लेकिन यह प्रक्रिया बहुत सरल नहीं है, और इसे वास्तविकता बनने से पहले कई बाधाओं को दूर करना होगा। स्मृति का विज्ञान स्मृति निर्माण मानव मस्तिष्क की सबसे जटिल प्रक्रियाओं में से एक है। लाइव साइंस को दिए एक साक्षात्कार में, दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के न्यूरोसाइंटिस्ट डॉन अर्नोल्ड बताते हैं कि यादें न्यूरॉन्स, कोशिकाओं के समूहों द्वारा एन्कोड की जाती हैं जो तब सक्रिय होती हैं जब हम कुछ अनुभव करते हैं या याद करते हैं। विशेष रूप से, छोटी और दीर्घकालिक यादें हिप्पोकैम्पस में बनती हैं, जबकि अन्य संवेदी विवरण पार्श्विका लोब और संवेदी प्रांतस्था जैसे विभिन्न क्षेत्रों में संग्रहीत होते हैं। जब ये न्यूरॉन्स एक साथ काम करते हैं, तो वे ₹एनग्राम₹ नामक एक भौतिक निशान बनाते हैं, जो स्मृति के जैविक पदचिह्न के रूप में कार्य करता है। इस अवधारणा का जानवरों में बड़े पैमाने पर अध्ययन किया गया है, शोधकर्ताओं ने चूहों के मस्तिष्क में एनग्राम की सफलतापूर्वक पहचान की है। उदाहरण के लिए, नेचर में प्रकाशित 2012 के एक अध्ययन में डर की स्मृति से जुड़ी विशिष्ट मस्तिष्क कोशिकाओं का पता चला। लेकिन, अर्नोल्ड कहते हैं, मस्तिष्क की जटिलता के कारण मनुष्यों में इन स्मृति चिन्हों की पहचान करना कहीं अधिक कठिन है। स्मृति पुनर्प्राप्ति में बाधाएँ किसी मृत व्यक्ति के मस्तिष्क से कोई स्मृति प्राप्त करने के लिए, वैज्ञानिकों को पहले उस स्मृति से जुड़े न्यूरॉन्स के विशिष्ट समूह का पता लगाना होगा। इस प्रक्रिया के लिए न्यूरॉन्स के बीच कनेक्शन के जटिल जाल को समझने की भी आवश्यकता होगी - ऐसे कनेक्शन जो मस्तिष्क के विभिन्न हिस्सों तक फैल सकते हैं। यह कार्य और भी जटिल हो जाता है जब आप इस तथ्य को ध्यान में रखते हैं कि यादें स्थिर नहीं हैं। जैसा कि अर्नोल्ड बताते हैं, यादें समय के साथ विकसित होती हैं और समेकित होने पर मस्तिष्क के विभिन्न क्षेत्रों के बीच स्थानांतरित हो सकती हैं। अर्नोल्ड कहते हैं, ₹शुरुआत में, मूल घटना के दौरान सक्रिय न्यूरॉन्स एक एनग्राम बनाते हैं।₹ ₹लेकिन समय के साथ, इस बात के सबूत हैं कि यादें मस्तिष्क में समेकित होते ही विभिन्न स्थानों पर चली जाती हैं।₹ दूसरे शब्दों में, यादें एक स्थान पर बंद नहीं होतीं - वे तरल होती हैं, जिससे पुनर्प्राप्ति अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाती है। एक दूर का सपना वर्तमान में, तंत्रिका विज्ञानियों के पास मानव मस्तिष्क का पूरा नक्शा नहीं है, इसलिए किसी विशिष्ट स्मृति के सटीक स्थान को इंगित करना असंभव है। लेकिन अगर उन्होंने ऐसा किया भी, तो मेमोरी को पुनः प्राप्त करना कंप्यूटर पर किसी फ़ाइल को खींचने जितना आसान नहीं है। एक बात तो यह है कि यादें अतीत की घटनाओं की सही रिकॉर्डिंग नहीं हैं। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, डेविस में मेमोरी और प्लास्टिसिटी कार्यक्रम के निदेशक चरण रंगनाथ बताते हैं कि मेमोरी स्वाभाविक रूप से पुनर्निर्माण करती है। रंगनाथ लाइव साइंस से कहते हैं, ₹मेमोरी बहुत पुनर्निर्माणात्मक होती है, जिसका अर्थ है कि आप किसी घटना के छोटे-छोटे हिस्सों को याद रखते हैं, लेकिन वास्तव में आपको पूरी चीज़ याद नहीं रहती है।₹ इसका मतलब यह है कि भले ही वैज्ञानिक किसी स्मृति से जुड़े न्यूरॉन्स की पहचान कर सकें, लेकिन वे उस सटीक अनुभव को दोबारा बनाने में सक्षम नहीं होंगे जैसा कि वह था। उदाहरण के लिए, किसी जन्मदिन की पार्टी की स्मृति को लीजिए। एक व्यक्ति को चॉकलेट केक खाना और टैग खेलना याद हो सकता है, लेकिन उन्हें इसकी संभावना हैसभी मेहमानों को याद नहीं होगा या उस दिन बारिश हो रही थी या नहीं। मस्तिष्क मौजूदा ज्ञान का उपयोग करके इन अंतरालों को भरता है, घटना की छाप छोड़ता है, लेकिन संपूर्ण, सटीक अनुभव नहीं। स्मृति अनुसंधान का भविष्य प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ भी, किसी मृत व्यक्ति के मस्तिष्क से यादें पुनः प्राप्त करने के लिए मशीन लर्निंग मॉडल बनाने की संभावना अभी भी दूर है। रंगनाथ का सुझाव है कि इस तरह के कार्य में सक्षम तंत्रिका नेटवर्क को मस्तिष्क स्कैन के व्यापक जीवनकाल की आवश्यकता होगी, जिसमें एक व्यक्ति अपनी स्मृति प्रणाली का एक मॉडल बनाने के लिए अपने अनुभवों को बार-बार याद रखेगा। हालाँकि, यह माना जाता है कि यादें हार्ड ड्राइव पर संग्रहीत स्थिर फ़ाइलों की तरह हैं - एक ऐसी धारणा जिस पर तेजी से सवाल उठाए जा रहे हैं। रंगनाथ बताते हैं, ₹हम अपनी यादों को हर तरह के अर्थ और परिप्रेक्ष्य से भर देते हैं, जो जरूरी नहीं कि घटना को प्रतिबिंबित करता हो।₹ ₹हम अतीत को दोबारा नहीं दोहराते, हम बस कल्पना करते हैं कि अतीत कैसा रहा होगा।₹ अभी के लिए, कम से कम, ऐसा लगता है कि जीवन जीने की यादें उस व्यक्ति के भीतर सीलबंद रहेंगी जिसने उन्हें अनुभव किया है। और एक बार जब वह व्यक्ति चला जाएगा, तो अतीत के वे टुकड़े संभवतः उसके साथ गायब हो जाएंगे। जबकि स्मृति पुनर्प्राप्ति एक दिलचस्प संभावना है, तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में यह एक दूर का सपना बना हुआ है। फिलहाल, किसी प्रियजन की यादों को संरक्षित करने का एकमात्र तरीका उनके द्वारा छोड़ी गई कहानियों, तस्वीरों और विरासतों के माध्यम से है।

नया साल-2025 लाएगा सीखने के नए तरीके

विजय गर्ग

पिछले कुछ समय से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शैक्षणिक तकनीक और नवाचार में सबसे आगे रहा है और साल 2025 में भी ऐसा ही

रहेगा। लक्ष्य को हासिल करने के लिए खोज, विश्लेषण और प्रभावी तरीके से काम करने की आवश्यकता होती है। ऐसे में एआई आपकी काफी मदद कर सकता है। नए साल में आप एआई से सीखने, विषय-वस्तु से जुड़ने और समस्या समाधान के तरीके में बदलाव ला सकते हैं। हालांकि, यह तभी संभव है, जब आप इसका सही तरीके से इस्तेमाल करना जानते हों। साथ ही, आपको एआई की पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए इसकी सीमाओं को समझना होगा। इससे आप प्रतिस्पर्धा की दौड़ में बने रहेंगे तथा अपनी उत्पादकता बढ़ा पाएंगे।

● खुद से पूछें सवाल

एआई के पास सवालों को हल करने के कई बेहतरीन तरीके होते हैं। हालांकि, एआई से जवाब मांगने से पहले आपको खुद से तीन सवाल पूछने चाहिए। पहला आप जिस समस्या को हल कर रहे हैं, उसके किस पहलु को एआई बेहतर तरीके से हल कर सकता है, दूसरा आपको एआई की पूरी क्षमता का इस्तेमाल करने के लिए किस तरह की विशेषज्ञता की जरूरत है। तीसरा, प्रतिस्पर्धा में बने रहने और एआई के जरिये अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए आपको क्या करना चाहिए।

● विचारों को बनाएं प्रभावी

शिक्षण, सीखने, अनुसंधान, शासन, शैक्षिक प्रौद्योगिकी, समानता और पहुंच के लिए एआई का खासा महत्व है, ऐसे में आप इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते। आप अपने विचारों को प्रभावी तरीके से व्यक्त करने के लिए क्विलबॉट का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह एक बहुत ही प्रभावशाली पैराफ्रेजिंग टूल है, जो आपके कंटेंट को पेशेवर और परिष्कृत भाषा में फिर से लिखने के लिए एआई का उपयोग करता है।

● विशेषज्ञता और रचनात्मकता

एआई टूल्स आपके वर्कफ्लो को बढ़ाने में मदद करते हैं। कोडिंग को जल्दी हल करने के लिए गिटहब, उत्पादकता और दक्षता में सुधार के लिए सर्विसनाउ और रोजमर्रा के कार्यों के लिए सेल्सफोर्स का एजेंट फोर्स आदि कारगर टूल्स हैं। आप एआई उपकरणों की सहायता से खुद का मूल्यांकन करके एआई से अलग कोड लिखकर या समस्या का विश्लेषण करके विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं।

● आलोचनात्मक सोच

जैसे-जैसे एआई आपके शैक्षणिक जीवन में शामिल होता जाएगा, वैसे-वैसे आपको इसका नैतिक रूप से उपयोग करना भी सीखना होगा। इसके लिए आपको गोपनीयता, पूर्वाग्रह, गलत सूचना और डाटा सुरक्षा पर ध्यान देना होगा। एआई ट्यूटर्स आपको जटिल विषयों को आसानी से समझने और तय समय में प्रतिक्रिया देने में मदद करेंगे। इन सबसे हटकर आप तनाव, प्रेरणा या व्यक्तिगत चुनौतियों को पहचानने में एआई की मदद ले सकते हैं।

• अलाव महिमा

विजय गर्ग

अलाव क्या खत्म हुए, गांव, कस्बों और शहरों से पूरी की पूरी एक दुनिया ही खत्म हो गई लगती है। लगभग चार महीनों की सर्दी का मौसम इंसान अलाव पर आग की ओर हाथ फैलाए किस्से-कहानियां सुनते-सुनाते काट लेता था। चाहे कितनी ही गरीबी क्यों न हों, लोगों को दिन में अपने हिस्से का सूरज और रात को अपने हिस्से की आग मिल ही जाती थी। इतनी लकड़ियां भी कहीं न कहीं मिल ही जाती थीं। गांवों में बच्चों की पलटन को चरागाह से सूखी लकड़ियां और कंडे बीनने का काम मिल जाता था। और मजेदार बात ये थी कि ये कम भी नहीं पड़ते थे, गोया प्रकृति सबका हिस्सा अलगाकर बचाकर रख लिया करती थी। और शाम को जब अलाव जलता तो सबके चेहरे अलग ही तरह से खिल उठते। धीरे-धीरे घर चौपाल पर पड़े सब पीढ़े, टाट- बोरियां, कुर्सियां, मूढ़े इकट्ठे हो जाते थे। बच्चों में इस बीच थोड़ी धींगा-मुश्ती भी चलती, ताकि उन्हें बैठने की सबसे अच्छी जगह मिल सके। अंधेरा घिरता तो हमारे समाज के बुजुर्ग भी आग के किनारे सिमट आते। आग और बुजुर्ग, दोनों जैसे एक दूसरे को शोभायमान करते। बच्चे इधर से उधर और उधर से इधर होते रहते। जहां पहले मन रम जाता, वहां टिक जाते। घंटे दो घंटे में हम बच्चों की आंखों में नींद उतर आती।

आग में आलू और शकरकंदियां दबाई जातीं, जो सुबह अग्नि देवता के प्रसाद की तरह हम बच्चों को मिल जाती थीं। अलबत्ता कुछ प्रसादी रात को ही निपटाई जा चुकी होती, लेकिन हम एक उत्साहपूर्ण कौतुक से सुबह- सुबह उस गुनगुनी राख को कुरेदना नहीं भूलते। उन आलुओं और शकरकंदियों के स्वाद की तुलना और किस चीज से की जा सकती है, यह मैं आज तक नहीं जान पाया हूं। कभी-कभी मटर की फलियां भी आग में दबाई जाती थीं। उनकी मिठास के भी क्या कहने! किस्से सुनना और सुनाना तो आग के किनारे ही बैठकर सीखा। आग के किनारे बैठकर किस्से सुनते-सुनते किस्सागो बन जाने के भी उदाहरण मिल जाएंगे। इस दौरान भोर होने से लेकर दिन निकलने के बीच कितनी देर तक और फिर शाम ढलते ही रात के सोने तक कब और कितना सुना और सुनाया जाता था, किसी को अंदाजा भी नहीं लग पाता था।

आज भी जब इतिहास और सभ्यता के पन्नों को पलटा जाए तो सर्दियों में आग का अहसास पूरी मनुष्यता में ऐसा फैला नजर आता है कि जिसके कभी न होने की कल्पना भी मुश्किल है। आग और नदियां ऐसी चीजें हैं, जिनका किनारा इंसान अभी तक खोजता आया है। जहां-जहां ये किनारे मिले, वहां-वहां मनुष्य का जीवन पनप गया। जब आग से उसकी दोस्ती हो गई, तब उसे कोई किल्लत नहीं रही। संसार का कौन - सा किनारा ऐसा है, जहां वह नहीं बसा? हिमालय की चोटियों से लेकर विशाल मैदानों तक।

आज इंसान और आग के रिश्ते के बारे में सोचने को अतीतजीवी हो जाने के तौर पर देखा जाता है। शायद यह जैसा है, उसे स्वीकार करके आगे बढ़ने का इशारा है, लेकिन मनुष्यता की आत्मा का एक हिस्सा उसकी अतीत की स्मृतियों में दबा होता है। जिसने अपने अतीत की स्मृतियों को घूरे पर डाल दिया, उसने अपने भीतर की मनुष्यता में एक गहरा घाव लगा दिया। इसलिए हमें ऐसा करने से बचना चाहिए। बहरहाल, आग और किस्सों के रिश्ते पर फिर से लौटें तो न केवल भारत में, बल्कि दुनिया के दूसरे कई मुल्कों में भी हमें इसके जीवंत प्रमाण आज भी देखने को मिल जाएंगे। इंटरनेट पर जाकर खोजा जाएगा, तो ऐसी न जाने कितनी तस्वीरें सरलता से मिल जाएंगीं। सर्दी हो और आग हो तो अपने आप उसके किनारे देर तक बैठे रह सकते हैं। यह देर तक बैठना दिमाग की रचनात्मकता को वैसे ही कुरेदता है जैसे गीली मिट्टी किसी बीज के भीतर सोए पौधे को कुरेदती है। संसार की न जाने कितनी कथाओं का जन्म इसी आग के किनारे हुआ होगा। हमने आग को सिर्फ भोजन और सुरक्षा से जोड़कर देखा, लेकिन उसकी आंच में पकने वाली मनुष्यता और कहानियों को भूल गए।

आज हमें इस रिश्ते को फिर से जगाने की जरूरत है। हमें उन जगहों को फिर से निर्मित करना होगा, जहां इंटरनेट और आधुनिक तकनीकी की दुनिया से दूर हम शांत मन से एक दूसरे की आंखों और आत्मा में झांक सकें और उन कहानियों को सुन सकें जो मन के भीतर दबी विलुप्त हुई जा रही हैं। हमें किस्सों की उस संस्कृति को बिना नष्ट किए बचाना होगा और उसे आने वाली पीढ़ी को हस्तांतरित करना होगा। उपयोगितावादी शायद इसकी उपयोगिता पर सवाल खड़ा करेंगे, लेकिन इसे टाला नहीं जा सकता, क्योंकि जब कभी उन्हें मनुष्यता की विरासत में उतरकर अपने मूल्यों को खोजने की जरूरत पड़ेगी तो इसके लिए उन्हें न केवल आग, बल्कि इन किस्सों की भी जरूरत पड़ेगी। मनुष्यता वृक्ष विज्ञान और नवाचार के जरिए सभ्यता रूपी आकाश की ऊंचाइयों को तो छू सकता है, लेकिन उसकी गहरी जड़ों के लिए इसी मिट्टी की जरूरत है जो आग, पानी और किस्सों में रची-बसी है। मनुष्यता को अपना अस्तित्व अक्षुण्ण रखने के लिए धरती के ऊपर और नीचे यह संतुलन साधना ही होगा।

सूरज के खुलते उलझे रहस्य

विजय गर्ग

सूरज वह अंतरिक्षीय पिंड है, जिससे हमारी पृथ्वी पर जीवन स्पंदित है। विज्ञान की गहराइयों में जाएं सूरज असल में एक डायनमो की तरह काम कर रहा है जिस तरह डायनमो में यांत्रिक ऊर्जा बिजली में बदलती है, उसी तरह सूर्य की सतह पर भी ऊर्जा का एक रूप दूसरे रूप में बदलता रहता है। लेकिन करोड़ों मील दूर होने और अपने करीब पहुंचने वाली हर चीज को पिघला कर उसे भस्म करने की इसकी क्षमता के कारण इसके कई रहस्यों से हम आज तक परिचित नहीं हैं सूर्य के अध्ययन के लिए हाल में ईएसए प्रोबा-3 मिशन, पांच दिसंबर 2024 को, भारत के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से इसरो के राकेट पीएसएलवी-सी 95 से कामयाबी के साथ प्रक्षेपित किया गया।

कहने के लिए ईएसए प्रोबा-3 मिशन एक यूरोपीय अभियान है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो की उपग्रह प्रक्षेपण क्षमता और कम लागत के मद्देनजर इसमें भारत का सहयोग लिया है। भारतीय राकेट पीएसएसवी-सी 95 से अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किए गए अभियान प्रोबा-3 का उद्देश्य सूर्य के बाहरी हिस्से - कोरोना से फूटने वाले विकिरणों और सौर लपटों का अध्ययन करना है। सूरज के अध्ययन में खुद भारत की दिलचस्पी भी है। असल में, इसकी शुरुआत साल सितंबर 2023 2023 में देश के पहले सोलर मिशन- 'आदित्य-एल1' के साथ हो चुकी है। सफल प्रक्षेपण के करीब चार महीने बाद धरती से 15 लाख किलोमीटर की दूरी कर यह अंतरिक्ष यान जिस एल-1 प्वांइट पर पहुंचा हुआ है, वहां रह कर यह सौरमंडल के इकलौते तारे यानी सूर्य तमाम बारीकियों का अध्ययन कर रहा है।

चंद्रयान की तरह आदित्य-एल1 मिशन से भी इसरो को तमाम वे जानकारियां मिलने की उम्मीद है, जिनके बल पर अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत खुद को मजबूती से स्थापित कर सकता है। कह सकते हैं कि चंद्रमा के साथ-साथ सूरज के आंगन में इसरो की यह दस्तक भारत के भविष्य की नई नींव रख रही है। भारत का सूर्य मिशन आदित्य-एल1 फ्रांसीसी गणितज्ञ जोसेफ लुईस लैगरेंज के नाम पर लैंगरेंज प्वाइंट (एल-1) कहे जाने वाले अंतरिक्ष के एक विशिष्ट बिंदु या स्थान पर है, जहां सूर्य और पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल संतुलित होता है। इस स्थान पर एक तरह का 'न्यूट्रल प्वाइंट' विकसित हो जाता है, जहां अंतरिक्ष यान के ईंधन की सबसे कम खपत होती है। जोसेफ लुईस लैगरेंज ने इस बिंदु का की खोज अठारहवीं सदी में की थी। यह स्थान पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर दूर है। सूरज हमारी पृथ्वी से 15 करोड़ किलोमीटर दूर है। ऐसे में थोड़ा आगे जाकर आदित्य-एल1 से सूर्य के बारे

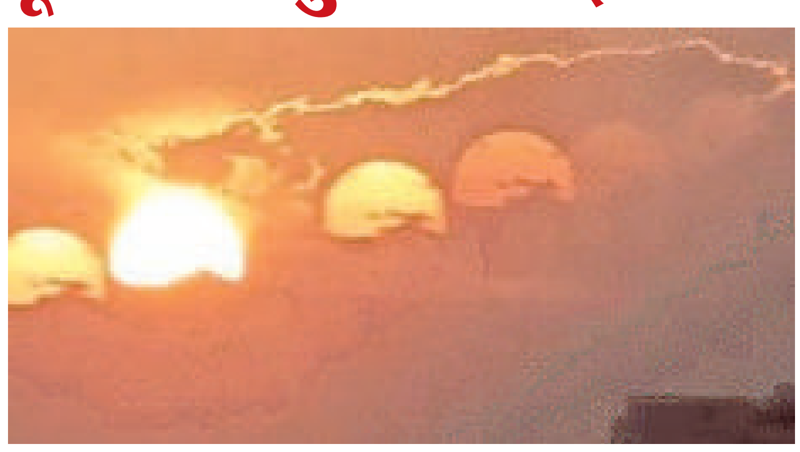

में काफी कुछ ऐसा जानने की कोशिश हो रही है, जिसका अभी तक रहस्योद्घाटन नहीं हुआ है। जैसे सौर प्रवाह (सोलर विंड), सूर्य के कारण होने वाले विद्युत चुंबकीय (इलेक्ट्रोमैग्नेटिक) विचलन और सौर हलचलों की वजह से पृथ्वी के मौसम या कहें कि जलवायु पर पड़ने वाले असर का सही-सही आकलन और मापन करना एक चुनौती है।

आदित्य-एल1 पर मौजूद इलेक्ट्रोमैग्नेटिक और 'पार्टिकल फील्ड डिटेक्टरों' की मदद से सूर्य की बाहरी सतह यानी फोटोस्फेयर और क्रोमोस्फेयर को जानने की कोशिश होगी और यह पता लगाया जाएगा कि इनकी पृथ्वी पर होने वाली ऊर्जा के संचरण तथा अंतरिक्ष की हलचलों में क्या भूमिका होती है। सौर विकिरण की करीबी टोह लेने की कोशिश भी आदित्य एल-1 पर मौजूद सात पैलोड के जरिए होगी।

सूर्य के कई अन्य रहस्य हैं, जिन्हें आदित्य एल-1 से समझने के प्रयास होंगे। 'कोरोनल मास इजेक्शन', 'सोलर फ्लेयर' और इनकी विशिष्टताओं के बारे में अगले पांच साल तक अंतरिक्ष में सक्रिय रहने के दौरान आदित्य एल-1 से कई अहम जानकारियां मिलने की उम्मीद इसरो कर रहा है। इस काम में ईएसए का प्रोबा-3 भी एक विशिष्ट सहयोगी की भूमिका निभाएगा।

बड़े आधुनिक तरीके से सौर लपटों के गहन अध्ययन के लिए डिजाइन किया गया है। इस अभियान के तहत ईएसए अपने दो उपग्रहों- कोरोनाग्राफ और आक्यूल्टर को कृत्रिम रूप से सैकड़ों बार पूर्ण सूर्यग्रहण लगाने के लिए भेजा है। ऐसा कर वैज्ञानिक सूर्य के बाह्य वातावरण यानी कोरोना के रहस्यों को सुलझाने की कोशिश करेंगे। पूर्ण सूर्य ग्रहण के दौरान सूरज के चारों ओर दिखने वाला चमकीला सफेद घेरा ही असल में कोरोना है, जो सामान्य अवस्था में नजर नहीं आता। अभी प्राकृतिक रूप से ऐसा होने का संयोग बेहद दुर्लभ है जो कई वर्षों में एकाध बार ही होता है। समस्या यह है कि पूर्ण सूर्यग्रहण ग्रहण की वह अवस्था कुछ ही पलों की होती है, जिसमें हीरे की तरह चमक बिखेरता कोरोना रूपी छल्ला नजर आता है। चंद पलों की इस अवधि में पर्याप्त वैज्ञानिक प्रेक्षण जमा कर पाना असंभव है। इसी असंभव काम को संभव करने की कोशिश प्रोबा-3 के माध्यम से हो रही है।

दरअसल, पृथ्वी की एक निश्चित कक्षा में स्थापित होने पर प्रोबा- 3 के ये दोनों उपग्रह (कोरोनाग्राफ और आक्यूल्टर) एक दूसरे लगभग 150 मीटर के फासले पर उड़ान भरते रहेंगे। इस तरह ये दोनों उपग्रह अगले दो साल की अवधि में सैकड़ों बार ऐसी स्थिति में होंगे जब वे परस्पर 492 फीट की दूरी पर आ जाएं, ताकि एक उपग्रह पर लगी डिस्क दूसरे उपग्रह पर स्थापित टेलीस्कोप को अपनी छाया में ले सके। ऐसी परछाई पड़ने पर वहां सटीक ढंग से कृत्रिम पूर्ण सूर्यग्रहण की स्थिति बनेगी। प्रोबा-3 के उपग्रह सैकड़ों बार जो कृत्रिम सूर्यग्रहण लगाएंगे, उनमें से प्रत्येक छह घंटे की अवधि वाला होगा। ऐसे में वैज्ञानिक अपने उपकरणों से व्यापक प्रेक्षण लेते हुए कोरोना की अच्छी तरह से पड़ताल करने में सफल हो सकते हैं।

कई गुना ज्यादा गर्म कोरोना अधिक तापमान होने के बावजूद कम रोशनी बिखेरता है। यह एक रहस्य है, जिसे वैज्ञानिक सुलझाना चाहते हैं। इसके अलावा एक विस्फोट के रूप में निकलने वाली सौर लपटों यानी 'कोरोनल मास इजेक्शन्स' (सीएमई) को समझने की कोशिश भी की जा रही है। चूँकि इस विस्फोट यानी सीएमई के दौरान कोरोना से अत्यधिक मात्रा में प्लाज्मा और चुंबकीय विकिरण सूरज की सतह से फूटता है, तो उससे हमारी पृथ्वी प्रभावित होती है। खासकर दूरसंचार नेटवर्कों, संचार उपग्रहों और पावरग्रिडों के संचालन में इस विकिरण के कारण व्यवधान पड़ता है। ऐसे में, अगर कोरोना और उससे होने वाले विस्फोटीय विकिरण के रहस्य को सुलझा लिया गया, तो सौर लपटों से बचाव के प्रभावी तरीकों की खोजबीन भी हो सकती है।

डी-मार्ट के शेयरों में 15 फीसदी का उछाल, जानिए किस वजह से आई तूफानी तेजी

परिवहन विशेष न्यूज

वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में डी-मार्ट की पैरेंट कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स का स्टैंडअलोन रेवेन्यू 15565 करोड़ रुपये रहा। यह अनुमान से 2 फीसदी अधिक रहा। इसका रेवेन्यू सालाना आधार पर 17.5 फीसदी और तिमाही आधार पर 11 फीसदी बढ़कर 15570 करोड़ पर पहुंच गया। इस वजह से डी-मार्ट के शेयरों में जबरदस्त रैली देखने को मिल रही है। आइए जानते हैं पूरी डिटेल।

नई दिल्ली। हाइपरमार्केट चेन डी-मार्ट की पैरेंट कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स (Avenue SuperMarts) के शेयरों में शुक्रवार को तूफानी तेजी दिखी। इसमें 15 फीसदी तक उछाल आया। दरअसल, दिसंबर तिमाही में डीमार्ट का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। इसकी बिक्री में 17.5 फीसदी उछाल आया। यह पिछले कई तिमाहियों के मुकाबले काफी बेहतर है। यही वजह है कि डीमार्ट की पैरेंट कंपनी के शेयरों में तूफानी तेजी देखने को मिली है। हालांकि, कुछ निवेशकों ने मुनाफावसूली की है, लेकिन अभी भी यह काफी दमदार बढ़त के साथ ट्रेड कर रहा है।

Avenue SuperMarts के तिमाही नतीजे

वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में एवेन्यू सुपरमार्ट्स का स्टैंडअलोन रेवेन्यू 15,565 करोड़ रुपये रहा। यह अनुमान से 2 फीसदी अधिक रहा। इसका रेवेन्यू सालाना आधार पर 17.5 फीसदी और तिमाही आधार पर 11 फीसदी बढ़कर 15,570 करोड़ पर पहुंच गया। कंपनी ने दिसंबर तिमाही में 10 नए स्टोर खोले। अब अब इसके कुल स्टोर की संख्या 387 हो गई है।

डीमार्ट के शेयरों का हालें

डी-मार्ट के शेयरों का एक साल का हाई 5484.00 रुपये है, जो इसने 24 सितंबर 2024 को बनाया था। हालांकि, इस हाई लेवल से तीन ही महीने में 38 फीसदी का करेक्शन हुआ। यह पिछले महीने 20 दिसंबर 2024 को 3400.00 रुपये के भाव पर आ गया। यह इसका एक साल का सबसे निचला स्तर है। यह गिरावट में खरीदारी वाली रणनीति के चलते काफी ज्यादा रिकवर हुआ है, लेकिन अब भी एक साल के हाई से यह करीब 25 फीसदी डाउनसाइड है।

डीमार्ट पर ब्रोकरेज क्या रुख है?

डीमार्ट पर ब्रोकरेज फर्मों का नजरिया मिला-जुला है। इसे 29 एनालिस्ट कवर कर रहे हैं। इनमें से 11 ने इसे सेल रेटिंग, 9 ने बाय और 9 ने होल्ड रेटिंग दी है। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म सीएलएसए ने 5360 रुपये के टारगेट प्राइस पर इसे आउटपरफॉर्म रेटिंग दी है। वहीं मॉर्गन स्टेनली ने इसे 3702 रुपये के टारगेट प्राइस पर अंडरवेट रेटिंग दी है।

गोल्डमैन सैक्स ने भी इसे 3425 रुपये के टारगेट प्राइस पर सेल रेटिंग दी है। ब्रोकरेज के मुताबिक, तीसरी तिमाही में ग्रोथ में सुधार दिखा है, लेकिन डिस्काउंटिंग बढ़ने के चलते मार्जिन पर नजर रखनी होगी। ब्रोकरेज का मानना है कि क्विक कॉमर्स कंपनियों की तेज ग्रोथ से भी डीमार्ट को झटका लग सकता है। सिटी ने भी इसे 3500 रुपये के टारगेट प्राइस पर सेल रेटिंग दी है।

डीमार्ट के प्रमोटर राधाकिशन दमानी और उनका परिवार है। यह महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, एनसीआर, तमिलनाडु, पंजाब और राजस्थान में बुनियादी घरेलू और व्यक्तिगत उत्पादों की खुदरा बिक्री करती है।

सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों का कितना बढ़ेगा महंगाई-भत्ता, कब होगा इसका एलान?

परिवहन विशेष न्यूज

7वां वेतन आयोग डीए बढ़ोतरी 2025 7वें वेतन आयोग के तहत DA की गणना AICPI (All India Consumer Price Index) के आधार पर होती है। इस बार जुलाई से दिसंबर 2024 तक के AICPI इंडेक्स के आंकड़ों से तय होगा कि सरकार डीए में कितना इजाफा करेगी। आइए जानते हैं कि इस बार डीए में कितना इजाफा हो सकता है और सरकार इसका एलान कब करेगी।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को नए साल यानी 2025 में बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। उनके महंगाई भत्ते (Dearness Allowance-DA) में बढ़ोतरी का एलान जल्द हो सकता है। सरकारी कर्मचारी और पेंशनभोगी इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आइए जानते हैं कि डीए की गणना कैसे होती है और इसका एलान कब तक होने की संभावना है।

कैसे होती है डीए की गणना

7वें वेतन आयोग के तहत, DA की गणना AICPI (All India Consumer Price Index) के आधार पर होती है। इस बार जुलाई से दिसंबर 2024 तक के AICPI इंडेक्स के आंकड़ों से तय होगा कि सरकार डीए में कितना इजाफा करेगी।

अक्टूबर 2024 तक के जारी डेटा बताता है कि जनवरी 2025 में DA में 3 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है, क्योंकि उस वक्त AICPI 144.5 पर था। हालांकि, अभी नवंबर और दिसंबर का आंकड़ा जारी नहीं हुआ है। अगर इन दोनों महीनों में भी यह आंकड़ा 145 के आस-पास रहता है, तभी जनवरी 2025 में DA बढ़कर 56 फीसदी तक पहुंचेगा।

कर्मचारियों को कितना फायदा होगा?

केंद्रीय कर्मचारियों के DA में बढ़ोतरी का फैसला मुख्य रूप से AICPI (All India Consumer Price Index) के आधार पर होता है। पिछले महीनों के डेटा से जाहिर होता है कि सरकार नए साल में DA को 53 फीसदी से बढ़ाकर 56 फीसदी कर सकती है।

महंगाई भत्ते में 3 फीसदी का भी यह इजाफा केंद्रीय कर्मचारियों के मासिक वेतन में अच्छी-खासी बढ़ोतरी कर सकता है। अगर DA में 3 फीसदी की बढ़ोतरी होती है, तो सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को मिलने वाले पैसों बड़ा बदलाव दिखेगा।

डीए में बढ़ोतरी का एलान कब होगा?

7th Pay Commission के तहत DA का रिवीजन साल में दो बार किया जाता है। पहली बार जनवरी और दूसरी बार जुलाई में। यह रिवीजन AICPI इंडेक्स के औसत पर आधारित होता है। इस बार जनवरी 2025 के DA रिवीजन जुलाई से दिसंबर 2024 तक के AICPI डेटा के आधार पर होगा।

केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (DA) में बढ़ोतरी की औपचारिक घोषणा मार्च में होती है। सरकार इसे होली से पहले जारी करके सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को त्योहारी तोहफा दे सकती है। हालांकि, डीए का पैसा मार्च या फिर अप्रैल की सैलरी के साथ आ सकता है।

क्या चीनी का बढ़ेगा भाव? मौजूदा मार्केटिंग सीजन में 16 फीसदी घटा प्रोडक्शन

इशिका मुख्य रिपोर्टर

2024-25 सीजन के पहली तिमाही में चीनी का उत्पादन 95.40 लाख टन रहा। यह आंकड़ा एक साल पहले 113.01 लाख टन था। इस साल 493 चीनी मिलों में पेराई हो रही थी जबकि पिछले 512 चीनी मिल चालू थीं। उत्पादन के आंकड़ों एथेनॉल बनाने के लिए चीनी के इस्तेमाल को शामिल नहीं किया गया है। अगर चीनी उत्पादन आगे भी कम रहा तो इसके भाव बढ़ सकते हैं।

नई दिल्ली। चीनी का उत्पादन मौजूदा मार्केटिंग सीजन की पहली तिमाही में एक साल पहल के मुकाबले करीब 16 फीसदी घटा है। इससे चीनी के भाव में उछाल आने की आशंका जताई जा रही है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (ISMA) ने चीनी के उत्पादन का पहला अनुमान जारी कर दिया है। चीनी का मार्केटिंग सीजन 1 अक्टूबर से शुरू होता है।

शुगर प्रोडक्शन कितना रहा?

2024-25 सीजन के पहली तिमाही में चीनी का उत्पादन 95.40 लाख टन रहा। यह आंकड़ा एक साल पहले 113.01 लाख टन था। इस साल 493 चीनी मिलों में पेराई हो रही थी, जबकि पिछले 512 चीनी मिल चालू थीं। उत्पादन के आंकड़ों एथेनॉल बनाने के लिए चीनी के इस्तेमाल को शामिल नहीं किया गया है।

चीनी उत्पादन घटने की वजह

ISMA के मुताबिक, कुछ राज्यों में एथेनॉल डायवर्जन बढ़ा है। इस वजह से चीनी उत्पादन में गिरावट आई है। एथेनॉल के लिए साल 2023-24 डायवर्जन 21.50 लाख टन रहा है जबकि 2024-25 में एथेनॉल के लिए 40 लाख टन चीनी का डायवर्जन रहा। वहीं कर्नाटक और महाराष्ट्र में पेराई देर से शुरू हुई। यह भी उत्पादन घटने की एक बड़ी वजह है।

क्या चीनी के बढ़ेंगे दाम?

चीनी उद्योग के जानकारों का कहना है कि अभी कई मिलों में पेराई चल रही है। इससे उम्मीद है कि चीनी का उत्पादन बढ़ जाएगा। हालांकि, अगर उत्पादन ज्यादा कम रहा, तो उसका असर चीनी की कीमतों पर भी दिख सकता है। चीनी मंडी के मुताबिक, दिल्ली में चीनी का मौजूदा खुदरा भाव 42 रुपये किलो है।

क्या चीनी की कमी हो सकती है?

ISMA के डायरेक्टर दीपक बल्लानी के मुताबिक, देश में चीनी की किल्लत होने की कोई आशंका नहीं है। उन्होंने कहा कि चीनी की कोई कमी नहीं है। अगले साल के लिए चीनी का प्रोडक्शन अच्छा लग रहा है। बल्लानी ने कहा, 'महाराष्ट्र और कर्नाटक में पेराई देर से शुरू हुई है। पिछले 15 दिनों का क्राशिंग रेट पिछले साल से अच्छा है। इससे चीनी उत्पादन बढ़ने की पूरी संभावना है।'

10 लाख टन एक्सपोर्ट की मांगी मंजूरी

बल्लानी ने यह भी कहा कि चीनी मिलों ने सरकार से 10 लाख टन के एक्सपोर्ट की मंजूरी मांगी है। अगर सरकार ने इजाजत दे दी, तो इससे मिलों को आर्थिक तौर पर बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमने सरकार से चीनी की मिनिमम सेलिंग प्राइस भी बढ़ाने की मांग की है। सरकार एथेनॉल का भाव बढ़ाने पर भी जल्द फैसला ले सकती है।

मूल गृह ऋण का रेफरल एजेंट नेटवर्क को बढ़ाने का प्लान; 50 हजार लोगों को मिलेगा कमाई का मौका

परिवहन विशेष न्यूज

बेसिक होम लोन की कामयाबी में रेफरल एजेंट नेटवर्क का बड़ा हाथ है। इसका मतलब है कि कोई भी स्टूडेंट हाउसवाइफ या आम आदमी कंपनी के लिए ग्राहक लाकर कमाई कर सकता है। कंपनी के रेफरल एजेंट नेटवर्क से फिलहाल 15000 लोग जुड़े हैं। कंपनी इसे अगले 12 महीने में बढ़ाकर 50000 तक पहुंचने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

नई दिल्ली। नई दिल्ली। दिग्गज इन्वेस्टर आशीष कचोलिया के निवेश वाली बेसिक होम लोन की तेज ग्रोथ कर रही है। कंपनी ने पिछले साल की तुलना में 2.5 गुना ग्रोथ हासिल की है। इसने अगले वित्त वर्ष यानी 2025-26 में 30,000 करोड़ रुपये का कर्ज बांटने का लक्ष्य रखा है।

कंपनी अपने रेफरल एजेंट नेटवर्क में बड़ा विस्तार कर रही है। इससे बहुत-से पार्ट-टाइम कमाई का मौका मिल सकता है। बेसिक होम लोन के को-फाउंडर और सीईओ अतुल मोंगा ने दिल्ली और मुंबई में आयोजित सालाना कार्यक्रम "हडल" के दौरान कहा कि कंपनी 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को मजबूत करते हुए सभी के लिए घर खरीदने के सपने को साकार करने का प्रयास कर रही है।

रेफरल एजेंट नेटवर्क का विस्तार करने की योजना

बेसिक होम लोन की कामयाबी में रेफरल एजेंट नेटवर्क का बड़ा हाथ है। इसका मतलब है कि कोई भी स्टूडेंट, हाउसवाइफ या आम आदमी कंपनी के लिए ग्राहक लाकर कमाई कर सकता है। इस रेफरल एजेंट नेटवर्क में प्रॉपर्टी डीलर्स, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और फाइनेंशियल एडवाइजर्स जैसे प्रोफेशनल्स भी शामिल हैं। यह न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करता है, बल्कि संभावित ग्राहकों के लिए होम लोन हासिल करने की प्रक्रिया को भी आसान बनाती है।

कंपनी के रेफरल एजेंट नेटवर्क से फिलहाल 15,000 लोग जुड़े हैं। कंपनी इसे अगले 12 महीने में बढ़ाकर 50,000 तक पहुंचने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इसके सीईओ अतुल मोंगा ने कहा, ₹हमारे एजेंट और साझेदार हमारी सफलता की नींव हैं। हडल 2024 यह साबित करता है कि मॉर्गेज इंडस्ट्री में नवाचार और समावेशन के प्रति हमारा समर्पण अडिग है।₹

आधुनिक उपकरण और बेहतर अवसर बेसिक होम लोन अपने एजेंट्स को आधुनिक उपकरण, परफॉर्मेंस इंसेंटिव और विकास के अवसर प्रदान करता है। कंपनी का लक्ष्य है कि यह नेटवर्क न केवल बड़े शहरों में बल्कि टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी अधिक प्रभावशाली बने। इससे नए ग्रेजुएट्स और पेशेवरों को रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे।

2020 में स्थापित बेसिक होम लोन का उद्देश्य भारत में 'सभी के लिए आवास' के लक्ष्य को पूरा करना है। यह देशभर में 650 जिलों में काम कर रहा है और हर महीने $1 बिलियन से अधिक के लोन आवेदन प्रोसेस करता है।

बेसिक होम लोन के निवेशकों में बड़े नाम

बेसिक होम लोन के इन्वेस्टर की लिस्ट में कई बड़े नाम हैं। इनमें शेयर मार्केट के मशहूर निवेशक आशीष कचोलिया भी शामिल हैं। अगर अन्य बड़े निवेशकों की बात करें, तो इसमें बर्टेल्समैन इंडिया इन्वेस्टमेन्ट, सीई-वेंचर्स, निखिल कामथ गृहास, पिकस कैपिटल, वेंचर कैटेलिस्ट, 9 यूनिकॉर्न्स, अर्ल्सफील्ड कैपिटल, गुड कैपिटल, डेक्सटर एंजल्स, आईआईएम इंदौर एल्युमनाई एंजल फंड, कॉम्सक्रेडिबल वेंचर फंड आदि का सपोर्ट हासिल है।

कब मिलेगी 19वीं किस्त, लाभार्थियों की लिस्ट में कैसे चेक करें नाम; जानें पूरी डिटेल

पीएम किसान 19वीं किस्त केंद्र सरकार ने 5 अक्टूबर को किसानों के अकाउंट में पीएम किसान योजना की 18वीं किस्त जारी की थी। अब करोड़ों किसान 19वीं किस्त का इंतजार कर रहे हैं। आइए जानते हैं कि किसानों के अकाउंट में 19वीं किस्त की राशि कब आएगी और पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ पाने के लिए क्या करना जरूरी है।

नई दिल्ली। पीएम किसान सम्मान निधि (PM Kisan Samman Nidhi Yojana) देश के लाखों किसानों की खाद-पानी की जरूरतों को पूरा करने का अहम वित्तीय साधन है। इसके जरिए सरकार किसानों को तीन किस्तों में कुल 6 हजार रुपये देती है यानी हर किस्त में 2-2 हजार रुपये। इस योजना का लाभ अब तक देश के 13 करोड़ से अधिक किसान ले चुके हैं। पीएम किसान सम्मान निधि की अब तक 18 किस्तें जारी हो चुकी हैं। आइए जानते हैं कि 19वीं किस्त कब जारी रहेगी और आप लाभार्थियों की सूची में अपना नाम कैसे चेक कर सकते हैं।

हर चार महीने में जारी होती है किस्त

पीएम किसान सम्मान निधि की किस्त मोदी सरकार हर चार महीने में जारी करती है। इस योजना की 18वीं किस्त 5 अक्टूबर 2024 को की 18वीं किस्त जारी की थी। इसका मतलब है कि पीएम किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त फरवरी 2025 में जारी हो सकती है। देश के 13 करोड़ किसानों को इस योजना का लाभ मिलेगा। हालांकि, सरकार ने अभी तक पीएम किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त जारी करने के बारे में कोई आधिकारिक एलान नहीं किया है।

इन किसानों को नहीं मिलेगा लाभ

सरकार ने किसानों को पीएम किसान योजना के खाते की ई-केवाईसी कराने को कहा था। लेकिन, कई किसानों ने अभी तक ई-केवाईसी नहीं कराई है। अगली किस्त से पहले तक ई-केवाईसी नहीं कराने वाले किसानों की अगली किस्त के पैसे अटक सकते हैं। ऐसे में जितना जल्दी हो सके, आपको ई-केवाईसी करवा लेनी चाहिए। इससे आपको पीएम किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त मिलने में कोई दिक्कत नहीं होगी। किसान तीन तरीकों से ई-केवाईसी करवा सकते हैं।

- ओटीपी आधारित eKYC
- बायोमेट्रिक आधारित eKYC
- फेस ऑथेंटिकेशन आधारित eKYC

लाभार्थी लिस्ट में कैसे चेक करें नाम

सरकार लाभार्थी किसानों की लिस्ट जारी करती है। इससे पता चल जाता है कि किन किसानों को योजना का लाभ मिलेगा। लाभार्थी लिस्ट में नाम चेक करने का प्रोसेस :

- पीएम किसान की ऑफिशियल वेबसाइट (https://pmkisan.gov.in/) पर जाएं।
- यहां पर 'Beneficiary Status' के ऑप्शन को सेलेक्ट करें।
- अपना आधार नंबर या फिर बैंक अकाउंट नंबर नंबर भरें।
- अब 'Get Data' को सेलेक्ट करें।
- इसके बाद आपको स्क्रीन पर अपनी सभी डिटेल्स शो हो जाएगी। इन डिटेल्स के जरिये आप चेक कर सकते हैं कि आपको

मुकेश अंबानी देने जा रहे निवेशकों को सौगात, नए साल में ला रहे 40,000 करोड़ रुपये का विशाल आईपीओ

परिवहन विशेष न्यूज

देश सबसे अमीर शख्स मुकेश अंबानी अपने निवेशकों को बड़ी खुशखबरी देने जा रहे हैं। अंबानी रिलायंस जियो को स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध करने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो ने आईपीओ लॉन्चिंग को लेकर तैयारी भी शुरू कर दी हैं। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि कंपनी का आईपीओ 35000 से 40000 करोड़ रुपये का हो सकता है।

नई दिल्ली। देश सबसे अमीर शख्स मुकेश अंबानी अपने निवेशकों को बड़ी खुशखबरी देने जा रहे हैं। अंबानी रिलायंस जियो को स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध करने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो ने आईपीओ लॉन्चिंग को लेकर तैयारी भी शुरू कर दी हैं। हिंदू बिजनेसलाइन की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि कंपनी का आईपीओ 35,000 से 40,000 करोड़ रुपये का हो सकता है।

आईपीओ 35,000 से 40,000 करोड़ रुपये का हो सकता है

द हिंदू बिजनेस लाइन की रिपोर्ट के अनुसार, टेलीकॉम कंपनी का मूल्यांकन 40,000 करोड़ रुपये होने तक की संभावना है और यह विशाल आईपीओ 2025 की दूसरी छमाही में आने की उम्मीद है और इसमें मौजूदा शेयरों के साथ-साथ नए शेयरों की बिक्री के साथ-साथ चुनिंदा निवेशकों के लिए प्री-आईपीओ प्लेसमेंट भी शामिल होगा। सूत्रों का कहना है कि कंपनी की नजर 120 अरब डॉलर की वैल्यूएशन पर है।

श्विक निवेशकों को जियो हिस्सेदारी बेच चुकी है रिलायंस

अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीआईए), सिल्वर लेक, मुबाडाला, केकेआर आदि सहित विदेशी निवेशकों के पास वर्तमान में रिलायंस जियो में लगभग 33 प्रतिशत हिस्सेदारी है। आरआईएल ने 2020 में लगभग 18 बिलियन डॉलर जुटाने के लिए कई वैश्विक निवेशकों को जियो हिस्सेदारी बेची थी।

रिलायंस जियो वर्तमान में देश का सबसे बड़ा दूरसंचार और ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाता है। लेकिन, हाल ही में, उभरती प्रौद्योगिकियों और सस्ते विकल्पों ने देश के शीर्ष सेवा प्रदाता के रूप में इसकी स्थिति को चुनौती देना शुरू कर दिया है।

जियो के सामने कई चुनौतियां

5G तकनीक और सैटेलाइट इंटरनेट के रोल-आउट ने जियो की प्रौद्योगिकी चुनौतियों को बढ़ा दिया है। एलन मस्क के स्टारलिंक जैसे उपग्रह सेवा प्रदाताओं की संभावित प्रविष्टि जियो के वर्तमान प्लेटफॉर्म को अस्थिर कर सकती है।

शाकाहारी होने के 10 अद्भुत फायदे हैं

1. उम्र बढ़ाता है

हालांकि ऐसे कई कारक हैं जो एक बढ़े हुए जीवनकाल के लिए जिम्मेदार होंगे और शाकाहारी भोजन को अपनाना एक ऐसा कारक है जिसका आप अनुसरण कर सकते हैं। जितना अधिक आप फल या सब्जियां खाते हैं , आपके शरीर में विष और रसायन का निर्माण उतना ही कम होता है, इस प्रकार अधिक स्वस्थ वर्ष और लंबी उम्र की सुविधा होती है।

2. कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करें

मानो या न मानो लेकिन पशु वसा खाने से कोई स्वास्थ्य लाभ नहीं होता है। चूंकि कोलेस्ट्रॉल केवल पशु खाद्य पदार्थों से आता है, शाकाहारी आहार कोलेस्ट्रॉल मुक्त होते हैं। यद्यपि कोलेस्ट्रॉल प्रत्येक मानव कोशिका का एक आवश्यक घटक है, शाकाहारियों को पर्याप्त कोलेस्ट्रॉल नहीं मिलने के बारे में चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि शरीर शाकाहारी खाद्य पदार्थों से आवश्यक सभी कोलेस्ट्रॉल बना सकता है। कोरियाई शोधकर्ताओं ने शाकाहारी भोजन का पालन करने के दीर्घकालिक प्रभावों की जांच करने के बाद निष्कर्ष निकाला कि शाकाहारियों में मांसाहारियों की तुलना में शरीर में वसा और कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम था।

3. स्ट्रोक और मोटापे का कम जोखिम

शाकाहारी अपने भोजन के विकल्पों में अधिक सचेत होते हैं और आमतौर पर भावनाओं के आधार पर कभी भी भोजन नहीं करते हैं या भोजन नहीं करते हैं; दो प्रथाएँ जो मोटापे में बहुत योगदान देती हैं। बेल्जियम में यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल गेन्ट डिपार्टमेंट ऑफ पीडियाट्रिक्स का कहना है कि वीगन डाइट अपनाना स्ट्रोक होने या मोटे होने की संभावना को कम करने का एक अच्छा तरीका है।

4. मधुमेह के खतरे को कम करता है

मांसाहारी आमतौर पर खपत के तुरंत बाद रक्त शर्करा के अत्यधिक स्तर का अनुभव करते हैं, कभी-कभी बहुत अधिक। इससे बचा जा सकता है और रक्त शर्करा के निरंतर प्रवाह को बनाए रखा जा सकता है यदि मांसाहारी लोग शाकाहारी भोजन पर स्विच करें। एक स्वस्थ शाकाहारी आहार आसानी से अवशोषित होता है, पौष्टिक होता है और इसमें फैटी एसिड कम होता है।

5. स्वस्थ त्वचा देता है

यदि आप स्वस्थ त्वचा की इच्छा रखते हैं तो आपको भरपूर मात्रा में पानी के साथ सही मात्रा में विटामिन और खनिज खाने की आवश्यकता है। हम जो फल और सब्जियां खाते हैं वे विटामिन, खनिजों से भरपूर होते हैं और इनमें पर्याप्त मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं। इसके अलावा, क्योंकि वे पानी आधारित होते हैं, यदि आप उन्हें कच्चा खाते हैं तो यह स्वस्थ पोषक तत्वों के सेवन में और सुधार कर सकते हैं। कई शाकाहारी खाद्य पदार्थ भी एंटीऑक्सिडेंट के समृद्ध स्रोत हैं जो आपको स्वस्थ त्वचा के साथ रोग मुक्त रहने में मदद करते हैं।

6. उच्च फाइबर सामग्री

फलों और सब्जियों में उच्च फाइबर सामग्री भी होती है, जो उचित पाचन के लिए आवश्यक होती है। यह शरीर के चयापचय में सुधार करने में मदद करता है और शरीर से विषाक्त पदार्थों और अन्य रसायनों को तेजी से खत्म करने में मदद करता है। शाकाहारी भोजन आमतौर पर पानी आधारित होता है, जो शरीर में आवश्यक तरल पदार्थ को बनाए रखने में मदद करता है।

7. डिप्रेशन को कम कर सकता है

शोधों के अनुसार, एक शाकाहारी मांसाहारी समकक्षों की तुलना में अधिक खुश हो सकता है। यह भी पता चला कि मांस या मछली खाने वालों की तुलना में शाकाहारी लोगों के अवसाद परीक्षण और मूड प्रोफाइल पर कम अंक थे। इसके अलावा, अधिकांश शाकाहारी खाद्य पदार्थों में ताजगी का एक तत्व होता है, खासकर जब जैविक उत्पादों की बात आती है बात आती है । तो यह हमारे मन को शुद्ध करने और हमारे विचारों को सकारात्मक रखने के लिए बाध्य है।

8. मेटाबॉलिज्म में सुधार करता है

शाकाहारी भोजन पचने में आसान होता है और यह व्यक्ति के चयापचय को अच्छी स्थिति में रखता है। साथ ही, शाकाहारी भोजन करने वाले लोगों में आराम करने वाली चयापचय दर या आरएमआर काफी अधिक होती है। आपको पता होना चाहिए कि आरएमआर का किसी व्यक्ति के चयापचय के साथ सीधा संबंध है - इसका मतलब है कि जितना अधिक आरएमआर होता है, उतनी ही तेजी से वसा जलती है और इसके विपरीत।

9. मोतियाबिंद के विकास के जोखिम को कम करता है

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में क्लिनिकल मेडिसिन के नफ़िल्ड विभाग द्वारा किए गए शोध के अनुसार, मोतियाबिंद और हमारे आहार के विकास के जोखिम के बीच एक मजबूत संबंध है- मांसाहारी या मांस खाने वालों पर पड़ने वाला उच्च जोखिम और शाकाहारी होने का सबसे कम जोखिम।

10. यह किफायती है

अंतिम लेकिन कम नहीं, अगर आप शाकाहारी भोजन का पालन करते हैं तो आप अच्छी खासी रकम बचा रहे हैं। शाकाहारी भोजन की तुलना में मांसाहारी भोजन निस्संदेह महंगा है। इसलिए अब चुनाव पूरी तरह से आपका है।

'मैं भी शीशमहल बनवा सकता था'

बिना नाम लिए केजरीवाल पर पीएम मोदी का हमला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दिल्ली में एक विशाल रैली को संबोधित किया और दिल्लीवासियों को 4500 करोड़ रुपये की कई परियोजनाओं की सौगात दी। यह रैली रोहिणी के जापानी पार्क में आयोजित की गई। इस दौरान पीएम मोदी दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी के प्रचार अभियान की शुरुआत भी की। इस दौरान पीएम मोदी ने आप सरकार और अरविंद केजरीवाल पर जमकर हमला बोला।

दिल्ली में इस साल फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बिगुल फूंका। पीएम मोदी रोहिणी के जापानी पार्क में स्थित रैली विशाल जनसभा को संबोधित किया प्रधानमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर दिल्ली में 4500 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री ने नौरोजी नगर में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, द्वारका में सीबीएसई मुख्यालय, सरोजनी नगर में 1738 क्वार्टर का उद्घाटन किया। दिल्ली विश्वविद्यालय पूर्वी परिसर, पश्चिमी परिसर, रोशनपुरा में वीर सावरकर कॉलेज का शिलान्यास किया। पढ़िए पल-पल का अपडेट्स-

पीएम मोदी ने विशाल रैली को संबोधित किया। वहीं, पीएम मोदी के पहुंचते ही पूरे पंडाल में मोदी-मोदी के नारे लगे। इस दौरान मंच पर मनोहर लाल, धर्मेंद्र प्रधान, दोनों मंत्रालयों के राज्य मंत्री, हर्ष मल्होत्रा सहित दिल्ली के सभी सांसद रहे।

पीएम ने अपने संबोधन में कहा दिल्ली देश की राजधानी है। बड़े खर्चे वाले, बहुत से काम यहां जो होते हैं, वह केंद्र सरकार के जिम्मे हैं। अधिकांश सड़कें, मेट्रो, बड़े अस्पताल, विश्वविद्यालय व कॉलेज कैंपस ये सब केंद्र सरकार ही बना रही है। लेकिन यहां की आपदा सरकार के पास जिस काम का दायित्व है, उस पर भी ब्रेक लगी हुई है।

यमुना को लेकर पूछा सवाल

दिल्ली को जिस आपदा ने घेर रखा है उसके पास कोई विजन नहीं है। यह कैसी आपदा है, इसका एक और उदाहरण हमारी यमुना जी है। यमुना नदी को लेकर स्वाभिमान लाभार्थियों से बात किया वह पूर्वी क्षेत्र के रहने वाले हैं। उनसे छठ पूजा पर पूछा तो बोला कि यमुना की ऐसी दशा हो गई है कि घर में ही पूजा कर माफी मांग लेते हैं।

क्या यमुना को ऐसे ही छोड़ देंगे?

दस वर्ष बाद यह कह रहे हैं यमुना की सफाई से वोट नहीं मिलेंगे। यह इनकी कैसी बेशर्मी है। यदि वोट नहीं मिलेंगे तो क्या यमुना को ऐसे ही छोड़ देंगे। यमुना की सफाई नहीं होगी तो दिल्ली को पानी कैसे मिलेगा। इन लोगों की करतूतों की वजह से दिल्लीवालों को गंदा पानी मिलता है।

कहा कि इस आपदा ने दिल्लीवालों के जीवन को टैंकर माफिया के हवाले कर दिया है। यह आपदा वाले रहेंगे तो भविष्य में दिल्ली को और भी विकराल स्थिति की ओर ले जाएंगे।

गरीबों को मिल रही हैं सुविधाएं

मेरा यह निरंतर प्रयास है कि देश के लिए जो भी अच्छी योजना बन रही है, उसका लाभ दिल्लीवासियों को भी मिले। केंद्र की भाजपा सरकार से गरीबों व मध्यम वर्ग को सुविधाएं भी मिल रही हैं और पैसे भी बच रहे हैं। केंद्र सरकार की योजना से बिजली बिल शून्य हो रही है और बिजली से कमाई का अवसर भी मिल रहा है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से हर उपभोक्ता बिजली उत्पादक बन रहा है। केंद्र सरकार प्रत्येक परिवार को सोलर पैनल लगाने के लिए 75 हजार से अधिक दे रही है। अभी तक देशभर में साढ़े सात लाख सोलर पैनल लग चुके हैं। इससे बिजली मुफ्त मिलेगी और बची हुई बिजली के पैसे सरकार देगी। दिल्ली में भाजपा का मुख्यमंत्री बनते ही प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना और तेजी से लागू की जाएगी।

प्रयागराज में दर्शनीय स्थल -

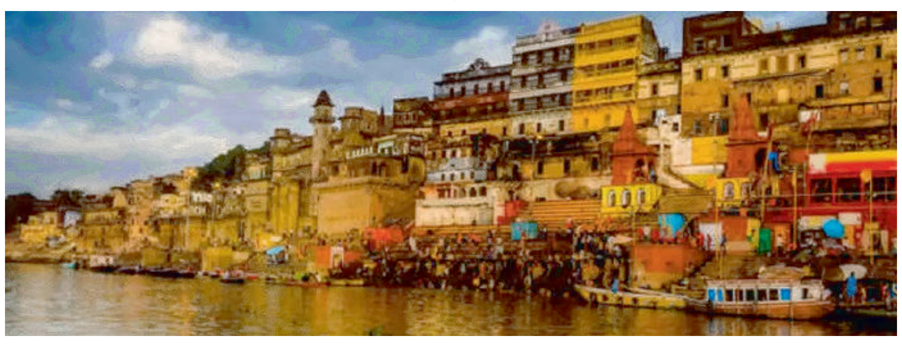

1. प्रयागराज में अक्षय वट किले के अन्दर स्थित है।
2. किले के पास ही भूमि पर लेटी हनुमानजी की विशाल मूर्ति है।
3. किले से थोड़ी दूर पश्चिम में सरस्वती कूप है।
4. प्रयागराज में यमुना पार अरैल ग्राम में बिन्दु माधव मन्दिर के पास सोमनाथ मन्दिर है।
5. बिन्दु माधव मन्दिर से डेढ़ किलोमीटर दूर बक्शी मोहल्ले में गङ्गा तट पर नाग वासुकि का मन्दिर है।
6. नाग वासुकि मन्दिर से 3 किलोमीटर दूर पश्चिम गङ्गा तट पर बलदेव जी (शेष) का मन्दिर है।
7. बलदेव मन्दिर से 3 कि.मी. गङ्गा तट पर कोटितीर्थ है, जिसे अब शिवकुटी कहते हैं।
8. प्रयागराज के करनलगंज में भरद्वाज आश्रम है। यहाँ हजार फणों के शेषनाग की मूर्ति है। पास ही भरद्वाजेश्वर शिवलिङ्ग है।
9. प्रयागराज के दारागंज के पास अलोपी देवी यानि ललिता देवी का मन्दिर है।
10. दारागंज से गङ्गा पार हंसकूप, समुद्रकूप है।

वास्तु और ज्योतिष शास्त्र के बीच क्या है अंतर, क्या इन दोनों में कोई संबंध भी है?

वास्तु शास्त्र और ज्योतिष शास्त्र दोनों ही व्यक्ति के जीवन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। वास्तु और ज्योतिष दोनों की ही अपना एक विशेष महत्व और नियम हैं। जिनका ध्यान रखने पर व्यक्ति कई तरह की समस्याओं से बच सकता है। साथ ही दोनों शास्त्रों में जीवन में आ रही परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए कुछ उपाय भी बताए जाते हैं।

वास्तु शास्त्र क्या है ?:- वास्तु शास्त्र हिंदू प्रणाली में सबसे पुराने विज्ञानों में से एक है। वास्तु शास्त्र में दिशाओं का बहुत ही महत्व है। वास्तु शास्त्र घर, भवन अथवा मन्दिर निर्माण करने का प्राचीन भारतीय विज्ञान है। जिसे अंग्रेजी में हम आर्किटेक्चर के नाम से जानते हैं। वास्तु शास्त्र यह भी बताता है कि जिन वस्तुओं का हमारे दैनिक जीवन में उपयोग होता है उन्हें किस प्रकार रखा जाए। वस्तु शब्द से ही वास्तु का निर्माण हुआ है। ऐसा माना जाता है कि जब किसी भवन या घर के निर्माण और डिजाइन में वास्तु के सिद्धांतों का पालन किया जाता है तो यह सौभाग्य और समृद्धि लाता है।

जानें ज्योतिष शास्त्र का अर्थ:- सूर्यादि ग्रह और काल का बोध कराने वाले शास्त्र को ज्योतिष शास्त्र कहा जाता है। इसमें मुख्य रूप से ग्रह, नक्षत्र आदि के स्वरूप, संचार, परिभ्रमण काल, ग्रहण और स्थिति संबंधित घटनाओं का निरूपण एवं शुभ और अशुभ फलों का पता लगाया जाता है। इसके द्वारा किसी व्यक्ति के भविष्य में घटने वाली घटनाओं का पता किया जा सकता है। साथ ही यह भी यह भी पती लगाया जा सकता है कि व्यक्ति के जीवन में कौन-कौन से अवरोध उसकी राह में रुकावट डाल सकते हैं। दरअसल इसका संबंध भी विज्ञान से ही है।

क्या है वास्तु और ज्योतिष शास्त्र में अंतर ?:- ज्योतिष एक वेदांग है, तो वहीं वास्तु शास्त्र अथर्ववेद के एक उपवेद स्थापत्य वेद पर आधारित है। ज्योतिष में जहां प्रत्यक्ष तौर पर व्यक्ति की कुंडली के जरिये अध्ययन किया जाता है, तो वहीं वास्तु में भी भवन की संरचना का व्यक्ति के जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। ज्योतिष और वास्तु शास्त्र के बीच मुख्य अंतर यह है कि ज्योतिष खगोलीय पिंडों की व्याख्या और मानव पर उनके प्रभाव से संबंधित है, जबकि वास्तु शास्त्र, संतुलन और सद्भाव लाने के लिए इमारतों और घरों के डिजाइन और निर्माण पर केंद्रित है।

वास्तु और ज्योतिष शास्त्र के बीच सम्बन्धः- वास्तु शास्त्र और ज्योतिष शास्त्र दोनों ही प्राचीनकाल में विकसित हुए विज्ञान हैं। ज्योतिष शास्त्र और वास्तु शास्त्र न सिर्फ एक दूसरे के पूरक हैं, बल्कि दोनों के बीच में एक गहरा सम्बन्ध भी हैं। असल में 'वास्तु शास्त्र' ज्योतिष शास्त्र का ही एक विकसित भाग है। वास्तु और ज्योतिष दोनों में ही मानव पर पड़ने वाले सृष्टि के प्रभावों का अध्ययन किया जाता है।

महंगाई का टाइम ट्रैवल: 2014 से 2024 तक का सफर

संजय अग्रवाला, जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल

महंगाई दर किसी भी देश की आर्थिक स्थिति को समझने का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। यह दर्शाती है कि समय के साथ वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें किस प्रकार बदल रही हैं। भारत में महंगाई दर का अध्ययन पिछले 10 वर्षों में, २014 से २0२4 तक एक दिलचस्प परिदृश्य प्रस्तुत करता है। इस अवधि में भारत की अर्थव्यवस्था ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे, जिनका प्रभाव महंगाई दर पर भी पड़ा। २014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद आर्थिक सुधारों पर जोर दिया गया। उस समय महंगाई दर एक प्रमुख चिंता का विषय थी। २013-14 के दौरान महंगाई दर औसतन 8-10% के आसपास थी, जो कि उच्च मानी जाती है। इसके पीछे प्रमुख कारण खाद्य और ईंधन की बढ़ती कीमतें थीं। सरकार ने महंगाई को नियंत्रित करने के लिए कई नीतियां अपनाईं, जिनमें रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मौद्रिक नीतियां और सब्सिडी में कटौती जैसे कदम शामिल थे। इन प्रयासों से २015 और २016 तक महंगाई दर में गिरावट आई और यह 4-6% के दायरे में स्थिर हो गई। इस अवधि में कृषि क्षेत्र में सुधार और अच्छे मानसून ने खाद्य वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित रखने में मदद की। २017 में वस्तु एवं सेवा कर लागू हुआ, जो देश के कर ढांचे में एक ऐतिहासिक बदलाव था। इस सुधार का अल्पकालिक प्रभाव महंगाई पर पड़ा। शुरुआती महीनों में कुछ वस्तुओं की कीमतों में अस्थायी बढ़ोतरी देखी गई, लेकिन धीरे-धीरे यह प्रणाली स्थिर हो गई। इसके अलावा, डिजिटल लेनदेन और कैशलेस अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के प्रयासों ने भी बाजार की संरचना को प्रभावित किया। २018 और २019 के दौरान महंगाई दर लगभग ३-4% के स्तर पर बनी रही, जो आरबीआई के लक्षित दायरे के भीतर थी। हालांकि, २0२0 में कोविड-19 महामारी ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया, और इसका गहरा प्रभाव भारत की अर्थव्यवस्था और महंगाई दर पर पड़ा। लॉकडाउन के कारण आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई, जिससे आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हुई। वहीं दूसरी ओर ईंधन की कीमतों में गिरावट आई, क्योंकि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की मांग कम हो गई थी। महामारी के दौरान महंगाई दर अस्थिर रही। खाद्य वस्तुओं की कीमतें अधिक रहीं लेकिन अन्य वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में गिरावट देखी गई।

२0२1 में अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगी। हालांकि, इस दौरान वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर महंगाई पर पड़ा। विशेष रूप से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी ने परिवहन और अन्य वस्तुओं की कीमतों को प्रभावित किया। सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती जैसे कदम उठाए, लेकिन महंगाई दर 5-6% के स्तर पर बनी रही। २0२२ और २0२३ में रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा संकट गहराया। इसका असर भारत पर भी पड़ा, क्योंकि कच्चे तेल का आयात महंगा हो गया। इस दौरान खाद्य तेल, गैस और उर्वरकों की कीमतें भी बढ़ीं। आरबीआई ने ब्याज दरों में वृद्धि करके स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया, जिससे बाजार में तरलता कम हुई और मांग पर नियंत्रण हुआ। इस अवधि में महंगाई दर 6-7% के बीच रही। २0२4 तक आते-आते वैश्विक और घरेलू स्तर पर कुछ स्थिरता देखने को मिली। भारत में कृषि उत्पादन में सुधार और अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा की कीमतों में गिरावट ने महंगाई दर को नियंत्रित करने में मदद की। साथ ही, सरकार की नई आर्थिक नीतियों और निवेश प्रोत्साहन कार्यक्रमों ने आपूर्ति को मजबूत किया। महंगाई दर 4-5% के स्तर पर वापस आ गई, जो भारत के लिए एक स्थिर और स्वस्थ मानी जाती है।

इस प्रकार, २014 से २0२4 तक का समय भारत में महंगाई दर के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण रहा। इस अवधि में कई कारक, जैसे सरकार की नीतियां, वैश्विक परिस्थितियां, प्राकृतिक आपदाएं और महामारी ने महंगाई दर को प्रभावित किया। जहां एक ओर २014-16 के दौरान महंगाई दर पर नियंत्रण प्राप्त किया गया, वहीं कोविड-19 और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे असाधारण घटनाक्रमों ने इसे बढ़ाया। इस अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि महंगाई दर केवल घरेलू कारकों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि वैश्विक घटनाओं और नीतिगत फैसलों का भी उस पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इस दिशा में एक संतुलित और लचीली नीति-निर्माण प्रक्रिया की आवश्यकता है जो आर्थिक विकास और महंगाई नियंत्रण के बीच सामंजस्य स्थापित कर सके। भारत ने पिछले 10 वर्षों में इस दिशा में सराहनीय प्रगति की है, लेकिन आने वाले वर्षों में और अधिक चुनौतियां और अवसर इसके सामने होंगे।

कराग्रे वसते लक्ष्मी : करमध्ये सरस्वती ।
करमूले स्थितो ब्रह्मा प्रभाते करदर्शनम् ॥

हाथ के अग्रभाग में लक्ष्मी, हाथ के मध्य में सरस्वती और हाथ के मूलभाग में ब्रह्माजी निवास करते हैं, अत : प्रात :काल दोनों हाथोंका अवलोकन करना चाहिये ।

Forward portion of hands is abode of Goddess Lakshmi; middle portion of hands is abode of Goddess Saraswati and the rear portion of hands is abode of the Creator Brahama. Therefore, at dawn one should observe the hands with reverence.

अपने हो न पाए,

अपने होकर भी जो अपने हो न पाए,
चुभते होंगे कांटे रात भर ना सो पाए।
कभी गिरेबा में भी झाँक लिया करों,
रिश्तों के समुन्दर में नहा लिया करों!
हुई गलतियाँ माफ़ी माँग लिया करों।

अपने होकर भी जो अपने हो न पाए,
चुभते होंगे कांटे रात भर ना सो पाए।
अपनों को कैसे भूल जाया करते हो,
बेगानों को ही गले लगाया करते हो!
ऊपरी दिखावे से बहलाया करते हो।

अपने होकर भी जो अपने हो न पाए,
चुभते होंगे कांटे रात भर ना सो पाए।
अब कब तक परिपक्वता ना आएगी,
सेवानिवृत्ति भी तो गले में पड़ जाएगी!
अब भी थाम लो रिश्तों को लहराएगी।

संजय एम. तराणेकर

शमसाबाद बडेर में पौष सुदी बीज का उत्सव कार्यक्रम व सीरवी समाज प्रीमियर लीग 7 में उप विजेता शमशाबाद टीम के कप्तान मधुसूदन काग , रजत काग, धीरज पंवार, नरेन्द्र काग,चेतन गहलोत,राहुल हाम्बड,कार्तिक पंवार एवं भूवेश काग तथा खेलमंत्री पुखराज पंवार का बहुमान एवं हार्दिक अभिनंदन किया गया। इस शुभ अवसर पर अतिथियों की उपस्थिति मे महासभा तेलंगाना अध्यक्ष- हरजी राम काग,कोरेमुला बडेर के अध्यक्ष कालुराम काग , सचिव डायाराम लचेटा,नाचाराम बडेर के अध्यक्ष - तुलसाराम सिन्दडा, शमसाबाद बडेर के अध्यक्ष - आसाराम गेहलोत, सचिव - भोलाराम पंवार, शिक्षा समिति के अध्यक्ष - केसाराम काग,सचिव भीकाराम काग, अविनाश गहलोत MLA जैतारण के PA राम निवास माली, रा.प.स. सदस्य -गौरी देवी काग,SSPL 7 के आयोजक सुमील चोयल, सुरेश सैणचा, काटेदान एरिया के अध्यक्ष किशोर हाम्बड कोषाध्यक्ष रूपाराम गेहलोत, समाज के उपाध्यक्ष चेलाराम काग, बाबूलाल पंवार , सहसचिव नरेश परिहार , सलाहकार - रतनलाल बर्फा, जगदीश काग, हरिराम परिहारिया, सदस्य रमेश हाम्बड, मिडिया प्रभारी हेमन्त काग एवं समाज के अन्य गणमान्य बन्धुओं की महती उपस्थिति रही। और पौष सुदी बीज उत्सव कार्यक्रम की प्रसादी कांटेदान एरिया की तरफ से थी।

पन्नू ने एक और धमकी भरा ईमेल भेजा , चेतावनी दी

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर : अपनी चुप्पी के बाद खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने एक बार फिर धमकी भरा ईमेल भेजा है। पन्नू ने ऐसे समय में व्यवधान उत्पन्न करने के लिए धमकी भरे ईमेल और वीडियो संदेश भेजे हैं, जब ओडिशा में जल्द ही प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाना है। बताया गया है कि यह ईमेल और वीडियो संदेश ओडिशा के वरिष्ठ पत्रकार अक्षय साहू को मिला ।बताया गया है कि इस संबंध में थाने में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। पिछले साल नवंबर में जब भुवनेश्वर में डीजीपी कॉन्फ्रेंस चल रही थी, तब पन्नू ने उन्हें धमकाने के लिए एक धमकी भरा ईमेल भेजा था। इसी तरह, पत्रकार अक्षय साहू को ओडिया और अंग्रेजी में दो धमकी भरे ईमेल मिले। इसी प्रकार आज फिर यह घटना दोहराई गई है। 8 तारीख को भुवनेश्वर के जनता मैदान में 'प्रभा भारतीय दिवस' समारोह मनाया जाएगा। इस समय हवाई अड्डे से लेकर सार्वजनिक चौक तक सतर्क रहने की चेतावनी जारी की गई है। इससे पहले अक्षय साहू को धमकी भरे ईमेल और वीडियो संदेश मिले थे और बताया जा रहा है कि अक्षय साहू आज इस मामले की शिकायत पुलिस से करेंगे ।तो, यह धमकी भरा ईमेल पन्नू ने भेजा है या नहीं, और किसने भेजा है, यह जांच के बाद स्पष्ट होगा। इसके अतिरिक्त, यह भी स्पष्ट नहीं है कि ईमेल केवल अक्षय साहू को भेजा गया था या किसी और को भी। गौरतलब है कि 'प्रभा भारतीय दिवस' समारोह अगले महीने की 8 से 10 तारीख तक भुवनेश्वर के जनता मैदान में तीन दिनों तक मनाया जाएगा। इस समारोह में मुख्य अतिथि त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ल कंगालू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शामिल होंगे। उम्मीद है कि देश-विदेश से लगभग 7,000 अतिथि इस समारोह में शामिल होंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023